www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 209 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
22 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:08
सूर्यास्तः 05:32
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार
मतभेद अनेक फिर भी भारत... »पेज 04
किसानों को टांगकर ले गई... »पेज 06
46 साल की हुई किम...

योगी ने पुलिस वर्दी भत्ता 6500 से बढ़ाकर 15000 किया
यूपी में अपराधियों को पता है अपना अंतिम ठिकाना : योगी

योगी ने कहा- 2017 में सरकार बनने के बाद पुलिस को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया गया। उन्होंने दावा किया कि आज प्रदेश में अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई हो रही है। कानून का राज स्थापित हुआ है। 'प्रदेश में साइबर अपराधों से निपटने के लिए हर जिले में साइबर थाना और हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। महिला पीएसी की तीन बटालियन गठित करने और फॉरेंसिक संस्थान के निर्माण को भी पुलिस व्यवस्था में सुधार के प्रयासों का हिस्सा बताया।'

'9 साल में पुलिस भर्ती और ट्रेनिंग की क्षमता बढ़ाई'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश पुलिस की प्रशिक्षण क्षमता करीब 6,000 कर्मियों की थी, जिसे बढ़ाकर 60,000 से ज्यादा किया गया है। उन्होंने पुलिस भर्ती, महिला कर्मियों की संख्या बढ़ने और 7 बड़े शहरों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू किए जाने का भी जिक्र किया।

योगी ने यूपी के जिन 6 पुलिसकर्मियों के परिवारों को सम्मानित किया। ये 2 अलग-अलग घटनाओं में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए थे।

सीएम ने यूपी के 6 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

पुलिस स्मृति दिवस पर योगी ने उत्तर प्रदेश के 6 पुलिसकर्मी की शहादत को नमन किया। उनके परिवारों को सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश में 2017 के बाद अपराधियों के खिलाफ अभियानों के दौरान 18 पुलिसकर्मियों के शहीद होने और 1,953 के घायल होने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों के लिए 425 करोड़ रुपए से ज्यादा की सहायता दिए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण सरकार की प्राथमिकता है।

'पहले अपराधियों पर कार्रवाई से पुलिस डरती थी'

योगी ने अपने संबोधन में कहा कि एक समय ऐसा था, जब पुलिस थानेदार या एसपी अपराधियों पर कार्रवाई करने से पहले सोचते थे। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई होते ही सत्ता के गलियारों से फोन आने लगते थे। कार्रवाई करने वाले ज्यादारियों पर ही गाज गिरती थी। उन्होंने दावा किया कि 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 815 दंगे हुए। मथुरा के जवाहर बाग कांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय पुलिस को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था।

तोहफा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस विभाग के लिए 3 बड़ी घोषणाएं कीं। पुलिस स्मृति दिवस पर उन्होंने कहा- अब प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) के अफसरों को वर्दी के लिए 6,400 नहीं, बल्कि 15,000 रुपए भत्ता मिलेगा।

इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर का मोटरसाइकिल भत्ता भी 700 से बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दिया गया है। वहीं, पुलिसकर्मियों को सिम कार्ड के लिए अब 2,000 की जगह 2,500 रुपए मिलेंगे।

इससे पहले अक्टूबर 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में बढ़ोतरी की थी। इसके तहत सिपाहियों को मिलने वाला वार्षिक वर्दी भत्ता 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,400 रुपए किया गया था। अक्टूबर 2022 में पुलिस स्मृति दिवस पर साइकिल भत्ते को खत्म करके मोटरसाइकिल भत्ता शुरू किया गया था। तब तक मिलने वाले 200 रुपए मासिक साइकिल भत्ते को बढ़ाकर 700 रुपए मासिक मोटर-साइकिल भत्ता किया गया था।

अक्टूबर 2021 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसकर्मियों के CUG और मोबाइल/सिम उपयोग के लिए मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी करके 2 हजार रुपए किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सीएम योगी का यूपी पुलिस को तोहफा
- भत्तों में बढ़ोतरी, मोटरसाइकिल के 1000 और सिम के लिए मिलेंगे 2500 रुपये
- पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम योगी की घोषणा।
- मोटरसाइकिल भत्ता 700 से 1000 रुपये प्रतिमाह हुआ।
- सिम/मोबाइल भत्ता 2000 से 2500 रुपये बढ़ा।

दावा : सीएम मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोका
50,000 का चालान काटा, फ्रांस से लौटे थे

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोका गया। AAP के मुताबिक, पेरिस से लौटने के बाद अधिकारियों ने मान का 50 हजार रुपए का चालान भी काटा। अधिकारियों ने इसके पीछे ऊपर से बहुत दबाव होने की बात कही। दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने X पर पोस्ट कर कहा कि जैसे दशहरे पर रावण का घमंड खत्म हुआ था, वैसे ही केंद्र सरकार का अहंकार टूटना चाहिए। मान पेरिस में 17 से 21 अक्टूबर तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय फूड ट्रेड एग्जीबिशन SIAL पेरिस 2026 में शामिल हुए थे। केंद्र के फैसले के खिलाफ मान को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने फ्रांस दौरे की परमिशन दी थी। पंजाब AAP के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने इस घटना को केंद्र की ओर से मान की विदेश यात्राओं की अनुमति बार-बार रोकने से जोड़ा।

>> (शेष पेज 06 पर)

- आप बोली- केंद्र का अहंकार टूटना चाहिए

टाइगर पर फायरिंग में इस्तेमाल हुए हथियार अमृतसर से आए
दो महिलाओं ने पिस्टल-कारतूस मुंबई पहुंचाए

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हुए हथियार अमृतसर से लाए गए थे। मुंबई पुलिस ने बुधवार को यह दावा किया। पुलिस ने बताया कि हरियाणा में सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया।

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को चारों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, सोमवार को फायरिंग करने वाले तीन लोग कोटा से गिरफ्तार हुए थे। इनमें बिहार का ऋतिक, हरियाणा के रेहान और फूल सिंह शामिल थे। इन्हें मुंबई लाया गया, जहां कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 31 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

- कुणाल जेल से बाहर आने के बाद अनिल पंडित के संपर्क में आया

फास्ट न्यूज

तीन लोगों की हत्या मामले में 3 गिरफ्तार

इंफाल । मणिपुर में सुनुरोक पहाड़ी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हमले में 19 अक्टूबर को 3 लोगों की मौत हो गई थी और 3 घायल हुए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 हथियार, 1,095 कारतूस और विस्फोटक बरामद किए हैं।

सराहना प्रशंसा

शाह बोले- कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों- कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की।

शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।

डेढ़ साल की बच्ची को छठी मंजिल से फेंका

मुंबई । मुंबई के गोरेगांव में डेढ़ साल की बच्ची की छठी मंजिल से गिरकर मौत मामले में पुलिस ने 7 दिन बाद हत्या की FIR दर्ज की है। बच्ची की मां ने 10 साल की पड़ोसी बच्ची पर उसे नीचे फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पहले आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया था। घटना 14 अक्टूबर की रात हुई थी।

सेंगोल बनाने वाले एथिराज का निधन, 99 साल के थे
1947 में नेहरू को मिला, मोदी 2023 में संसद लाए

शोक

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। नए संसद भवन में स्थापित सेंगोल को बनाने वाले ज्वैलर्स थिरु वुम्मिडी एथिराज का बुधवार को चेन्नई में निधन हो गया। वे 99 साल के थे।

एथिराज ने ऐतिहासिक 'सेंगोल' बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह सेंगोल 1947 में देश की आजादी के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया था।

आजादी के बाद सेंगोल प्रयागराज के इलाहाबाद म्यूजियम की नेहरू गैलरी में रखा गया था। वहां इसकी पहचान नेहरू को उपहार में मिली सुनहरी छड़ी के रूप में दर्ज थी।

018 तक एथिराज का परिवार भी सेंगोल से अनजान रहा। उन्हें एक आर्टिकल से इसके बारे में जानकारी मिली। 28 मई 2023 को पीएम मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया। 1947 में तमिलनाडु के तिरुवावदुथुरै अधीनम मठ ने चेन्नई के वुम्मिडी बंगारू चेट्टी ज्वेलर्स को सेंगोल बनाने का काम सौंपा था।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली पुलिस ने 3 दिन की कस्टडी मांगी थी, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पकड़े गए थे
सीजेपी नेता सौरव-आशुतोष को सात दिन बाद जमानत

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को 7 दिन बाद दिल्ली की स्पेशल कोर्ट (SEM) से जमानत मिल गई है। दोनों को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। 8-10 CJP समर्थकों के साथ दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंचे थे। दरअसल, 12 अक्टूबर को सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी। इसके बावजूद 13 अक्टूबर को दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंच गए। शांति नियम तोड़ने के आरोप में उन्हें 5 दिन के लिए जेल भेजा गया था। फिर 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत 2 दिन और बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि नेता पहले मजिस्ट्रेट का फैसला आने दें, फिर जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएं। >> (शेष पेज 06 पर)

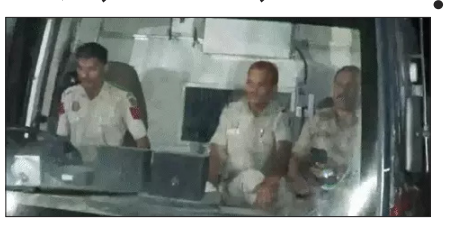

दिल्ली पुलिस ने आशुतोष-सौरव को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर से हिरासत में लिया था।

अनुच्छेद 226 और रिवीजन पिटीशन में फर्क

अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके अधिकारों का उल्लंघन हुआ है या किसी सरकारी अथॉरिटी ने गलत कानूनी कार्रवाई की है तो वह हाईकोर्ट में अनुच्छेद 226 के तहत याचिका लगा सकता है। जबकि रिवीजन में निचली अदालत के आदेश को कानूनी आधार पर चुनौती देने का विकल्प होता है। इस मामले में निचली अदालत ने फैसला दिया था, इसलिए उसके रिवीजन की ही पिटीशन पहले दायर की जानी थी।

दिल्ली पुलिस ने दोनों नेताओं से जुड़े जंतर-मंतर मामले को भी क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया है। इससे पहले कनॉट प्लेस में दर्ज केस क्राइम ब्रांच को सौंपा गया था। अब दोनों मामलों की जांच क्राइम ब्रांच करेगी।

आरोप : अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, राम गोपाल कनौजिया की तेरहवीं में पहुंचे
'चुनाव में धांधली रोकने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को लखनऊ के मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट पहुंचे। यहां उन्होंने मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से सपा के पूर्व प्रत्याशी सोनू कनौजिया के पिता स्वर्गीय राम गोपाल कनौजिया की तेरहवीं में शामिल होकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

अखिलेश यादव ने कहा कि राम गोपाल कनौजिया और उनके परिवार ने समाज को जोड़ने तथा सभी को साथ लेकर चलने का काम किया। इसी वजह से उन्होंने समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाई। उनके निधन से सभी लोग दुखी हैं। उन्होंने कहा कि वह परिजनों और साथियों का दुख बांटने के लिए यहां पहुंचे हैं। अखिलेश यादव ने सवाल किया कि यदि मतदाता सूची का डेटा उपलब्ध नहीं था तो मंत्रियों की आवाज में कॉल कैसे की जा रही हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

भाजपा पर चुनाव में धांधली करने का आरोप

पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी बिना हेराफेरी और धांधली के चुनाव नहीं जीत सकती। उन्होंने कहा कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) और बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) फोन के जरिए शिक्षकों को धमका रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से चुनाव प्रक्रिया की निगरानी करने और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें अपनी जिम्मेदारी के अनुसार काम करना चाहिए, न कि राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह। उनके मुताबिक, यदि अधिकारियों के खिलाफ पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं तो कार्रवाई हो सकती है।

> सपा प्रमुख ने मतदाता सूची और फोन कॉल के जरिए प्रचार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची आम लोगों के पास उपलब्ध नहीं है, लेकिन भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के पास इसकी जानकारी है।

'महिला आरक्षण लागू करें परिसीमन का इंतजार क्यों'
रिजिजू के जरिए पीएम विपक्ष को जवाब देते हैं : खड़गे

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

कलबुर्गी । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कर्नाटक के कलबुर्गी में महिला आरक्षण, परिसीमन और चुनाव सुधारों पर सरकार के रवैये पर सवाल उठाए। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है।

उन्होंने कहा- सरकार लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर महिलाओं को 33% आरक्षण अभी लागू कर सकती है। इसके लिए परिसीमन का इंतजार करने की क्या जरूरत है। उन्होंने पीएन नरेंद्र मोदी पर विपक्ष को बदनाम करने का आरोप लगाया।

खड़गे ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर टिप्पणी करते हुए कहा- प्रधानमंत्री विपक्षी नेताओं के पत्रों का खुद जवाब नहीं देते, बल्कि दूसरों के जरिए जवाब भिजवाते हैं। पीएम ने रिजिजू को असली अधिकार नहीं दिए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

- ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग

100 विमानों ने करतब दिखाए, क्रूज पर उतरे कमांडो रस्सी से हेलिकॉप्टर पर चढ़े

काशी में राफेल-सुखोई की गर्जना से गूंजा नमो घाट

रोमांच

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार को एयर शो का ग्रैंड रिहर्सल हुआ। कमांडोज नमो घाट पर हेलिकॉप्टर से क्रूज पर उतरे। फिर कुछ ही देर में रस्सी से हेलिकॉप्टर पर चढ़कर लौट गए। राफेल और सुखोई जैसे 52 लड़ाकू विमानों की गर्जना से नमो घाट गूंज उठा। लड़ाकू विमानों ने गंगा नदी पर टच एंड गो (लो-लेवल फ्लाईपास्ट) कर लोगों को रोमांचित कर दिया। पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी से की गई। दर्शकों को 3 लेयर की जांच के बाद एंट्री दी गई। एयर शो रिहर्सल में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें लड़ाकू विमानों के अलावा 15 परिवहन विमान, 32 हेलिकॉप्टर और विंटेज विमान सारनाथ शामिल है। ये विमान देशभर के 12 एयरपोर्ट से उड़ान भरकर पहुंचे थे। दरअसल, काशी में एयरफोर्स के 94वें स्थापना वर्ष पर एयर शो किया जा रहा है। यह तीन दिन 22, 23 और 25 अक्टूबर को होगा। 25 अक्टूबर एयर शो में PM मोदी भी पहुंचेंगे। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने सेना के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। इस दौरान जो कमी पाई गई उसे भी ठीक करने के लिए भी समीझा की।

सारंग हेलिकॉप्टर ने आसमान में त्रिशूल का चिह्न बनाते हुए करतब दिखाए।

बीएई हॉक एमके.132 एक एडवांस्ड जेट ट्रेनर है। जब इसने गंगा और नमो घाट के ऊपर से उड़ान भरी तो लोगों ने खूब तालियां बजाईं। नमो घाट पर एयर शो के दौरान 'दशाश्व' फॉर्मेशन ने दर्शकों में रोमांच भर दिया। भारतीय वायुसेना के विशाल सी-17 ग्लोबमास्टर विमान ने 9 सूर्यकिरण हॉक विमानों का नेतृत्व करते हुए मुख्य मंच के ऊपर से शानदार फ्लाईपास्ट किया। गंगा के ऊपर आसमान में विमानों की इस भव्य उड़ान को देखने के लिए घाटों पर मौजूद लोग उत्साहित नजर आए।

एयर शो में राफेल से तेजस तक दिखेगी ताकत

एयर शो में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, जगुआर और स्वदेशी एलसीए तेजस जैसे लड़ाकू विमान अपनी क्षमता दिखाया। परिवहन विमानों में सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130 और सी-295 शामिल हुए। वहीं, अपाचे, चिनूक, एलसीएच, एएलएच और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर भी आसमान में दमखम दिखाया। सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम अपने करतबों से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

एयर शो देखकर प्रज्ञा सिंह बोलीं- हम भी अपने बच्चों को एयरफोर्स में भेजेंगे

प्रज्ञा सिंह ने कहा कि यह नजारा देखकर मन गदगद हो गया। उन्होंने कहा- यहां बैठकर मैंने सोचा कि हम भी अपने बच्चों को तैयार करेंगे और उन्हें भारतीय सेना में जरूर भेजेंगे। जवानों का साहस देखकर हमें और भी खुशी होगी।

> **बिहार के बक्सर से परिवार के साथ एयर शो देखने आई महिला ने कहा- हम बहुत खुश हैं। अब तक टीवी पर ही यह सब देखते थे, लेकिन आज अपनी आंखों के सामने देखने का मौका मिला है।**

दुर्गा-प्रतिमा विसर्जन के दौरान करंट से तीन भाइयों की मौत

गोरखपुर में हाईटेंशन लाइन से रॉड टकराई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में बुधवार शाम 5 बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो सगे भाई और एक मौसी के लड़के की मौत हो गई। हादसे में 7 लोग झुलस गए। सभी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहे थे।

ट्रॉली में लगी लंबी रॉड ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। इसके बाद ट्रॉली पर सवार लोग करंट की चपेट में आ गए। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। मरने वालों में लकी (17), विक्की (18) और चंदन (21) हैं। इसमें लकी-विक्की सगे भाई हैं और चंदन इनकी मौसी का लड़का है। हादसे से गुस्साएं लोगों ने मेडिकल कॉलेज के बाहर हंगामा किया। इससे 1 किमी लंबा जाम लग गया। मेडिकल कॉलेज के आसपास की 50 से अधिक दुकानें बंद कर दी गई हैं। मौके पर 2 बटालियन पीएसी तैनात है। हादसा गुलरिहा थाना क्षेत्र में अयोध्या प्रसाद चौहान टोला के पास हुआ। गुलरिहा क्षेत्र के चौहान टोला में दुर्गा प्रतिमा स्थापित की गई थी। बुधवार शाम करीब 5 बजे लोग प्रतिमा विसर्जन के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से निकले थे। रास्ते में करीब एक किमी दूर रजही चौराहे के पास ट्रॉली में लगी लोहे की रॉड हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई।

करंट लगने से ट्रैक्टर-ट्राली पर सवार 10 लोग झुलस गए। इनमें 3 लोगों की मौत हो गई है।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में रावण दहन के दौरान गैराज में आग

बाराबंकी । बाराबंकी के पल्हरी चौराहे के पास मंगलवार रात करीब 11 बजे एक गैराज में आग लग गई। इस घटना में पुराने टायर, एक ऑटो ई-रिक्शा और करीब आधा दर्जन दोपहिया वाहन जल गए। आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया।

यह आग रावण दहन कार्यक्रम के दौरान लगी, जिससे बड़े हादसे की आशंका पैदा हो गई थी।

बेटी के सामने गोमती नदी में कूदी महिला

बाराबंकी। बाराबंकी में बुधवार सुबह एक महिला ने अपनी आठ साल की बेटी के सामने गोमती नदी में छलांग लगा दी। मां को कूदता देख बेटी चीखने लगी। लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से महिला की तलाश शुरू कर दी है। महिला की पहचान 35 वर्षीय शर्मा देवी के रूप में हुई है। वह इनायतपुर, थाना कोठी, बाराबंकी की रहने वाली हैं। शर्मा देवी अपनी बेटी आंशिका के साथ अवसानेश्वर स्थित गोमती नदी पुल पर पैदल जा रही थीं, तभी उन्होंने यह कदम उठाया।

लड़कियां बोलीं-रावण जल गया, लेकिन अब भी महिलाएं असुरक्षित

वाराणसी । दशहरे पर हर साल रावण का दहन किया जाता है, लेकिन क्या महिलाओं के खिलाफ होने वाली बुराइयों का अंत हुआ है? बरेका में रावण दहन देखने पहुंचीं महिलाओं और जेएनयू की छात्राओं ने महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। सीता का किरदार निभाने वाली उजाला ठाकुर ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए अभी और प्रयास करने की जरूरत है।

आजाद हिंद सरकार के स्थापना दिवस पर काशी में आयोजन

सुभाष मंदिर में उमड़े लोग, नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। जब दुनिया द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका झेल रही थी, तब भारत अपनी स्वाधीनता के सबसे निर्णायक मोड़ पर था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 10 देशों से राजनयिक मान्यता प्राप्त कर सिंगापुर के कैथे हॉल में 21 अक्टूबर 1943 को 'आजाद हिन्द सरकार' की स्थापना की थी। इस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वाराणसी के लमही स्थित 'सुभाष मन्दिर' में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। काशी का यह सुभाष मन्दिर दुनिया का ऐसा अनूठा मन्दिर है, जहां बिना किसी धर्म, जाति या वर्ग के भेदभाव के लोग सुबह-शाम नेताजी की आरती और दर्शन करते हैं। आज स्थापना दिवस पर लोगों ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मन्नतें मांगीं। विशाल भारत संस्थान के संस्थापक राजीव श्रीवास्तव ने बताया - आजाद हिंद सरकार का एकमात्र संकल्प अंग्रेजों को भारत की भूमि से खदेड़ना था, जिसके बाद आजाद हिन्द फौज ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया। आजाद हिन्द सरकार की इसी युद्ध नीति ने आखिरकार अंग्रेजों को भारत छोड़कर भागने पर मजबूर किया। काशी में बने सुभाष चंद्र बोस के इस मन्दिर की एक अनूठी विशेषता यह भी है कि यहां बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं मन्नत मांगने आती हैं। ताकि उनकी आने वाली संतान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तरह पराक्रमी, देशभक्त और साहसी बने। दर्शनार्थियों ने नम आंखों से आजाद हिन्द फौज की कुर्बानियों को याद किया।

गोरखपुर में गाय को पागल कुत्ते ने काटा

दूध का चरणामृत पीने वाले 450 लोगों ने लगवाया इंजेक्शन, रेबीज की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के गोला ब्लॉक के डाड़ी खास गांव में दुर्गा पूजा के दौरान गाय के दूध से बना चरणामृत पीने वाले 450 लोगों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई। रेबीज की आशंका के बीच गाय की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को गांव में कैंप लगाया।

मंगलवार को 50 लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर टीका लगवाया था, जबकि बुधवार को 400 लोगों का टीकाकरण किया गया। गाय का दूध गांव की कुछ दुकानों और घरों में भी पहुंचता था, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार टीके लगवाने को कहा है। पशु चिकित्सक ने गाय में रेबीज की आशंका जताई है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से स्वास्थ्य विभाग की टीम डाड़ी गांव पहुंची। फार्मासिस्ट सिद्धार्थ सिंह के नेतृत्व में टीम ने कैंप लगाकर लोगों को टीके लगाए। टीम में अरशद, सोनू श्रीवास्तव, प्रियंका और अंकिता समेत स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के पहुंचने के कारण टीकाकरण का काम लगातार चलता रहा। बुधवार शाम तक 400 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इससे पहले मंगलवार को करीब 50 लोग सीएचसी पहुंचकर टीका लगवा चुके थे। गांव में प्रधान प्रतिनिधि राजू यादव, पूर्व प्रधान सुरेश यादव, मंजीत मौर्य हड़हाभार और पवन सिंह समेत अन्य लोगों ने भी टीका लगवाया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से संबंधित लोगों को बचाव के उपायों की जानकारी भी दी गई।

मंगलवार को बिगड़ी गाय की तबीयत, शाम को मौत

डाड़ी खास गांव के पशुपालक नवमी यादव के मुताबिक, उन्हें जानकारी नहीं हो सकी कि गाय को आवारा कुत्ते ने कब काटा था। वह नियमित रूप से दो दुकानों और कुछ घरों में गाय का दूध पहुंचाते थे। पिछले एक-दो दिनों से गाय की तबीयत खराब लग रही थी, लेकिन मंगलवार को उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई।

इसके बाद पशुपालक ने निजी पशु चिकित्सक डॉ. बेचन सिंह, डॉ. हरदेव यादव और डाड़ी खास पशु चिकित्सालय के चिकित्सक को दिखाया।

पांच डोज और बूस्टर की सलाह

सीएचसी प्रभारी डॉ. अमरेंद्र ठाकुर ने बताया कि संबंधित लोगों को निर्धारित चिकित्सकीय सलाह के अनुसार एंटी-रेबीज वैक्सीन की डोज लगवानी होगी। उन्होंने बताया कि सामान्य इंट्रामस्कुलर शेड्यूल में पहली डोज के बाद तीसरे, सातवें, 14वें और 28वें दिन टीके लगाए जाते हैं। इसके बाद 90वें दिन बूस्टर डोज की बात कही गई है। हालांकि, वास्तविक शेड्यूल व्यक्ति के जोखिम, पहले हुए टीकाकरण और चिकित्सकीय आकलन के आधार पर तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों के संज्ञान में मामला लाकर सीएचसी पर जरूरी इंतजाम किए जाएंगे, ताकि संबंधित लोगों को समय पर टीके उपलब्ध कराए जा सकें।

2-3 डिग्री तक गिरेगा पारा, 10 शहरों की हवा हुई खराब, कई शहरों में वायु प्रदूषण भी बढ़ने लगा

यूपी में गुलाबी ठंड की दस्तक

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने लगा है। पछुआ हवाओं और आसमान साफ रहने के बीच तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। सुबह और देर शाम हल्की सिहरन महसूस होने लगी है, जबकि सूरज ढलने के बाद ठंड का असर बढ़ रहा है। मौसम में बदलाव के साथ ही प्रदेश के कई शहरों में वायु प्रदूषण भी बढ़ने लगा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी शुष्क हवाओं के सक्रिय होने से वातावरण में नमी कम हो रही है। इसके चलते तापमान में गिरावट का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने कहा - हवा की गति कम होने पर धूल, धुएं और अन्य प्रदूषक कण वातावरण में अधिक समय तक बने रह सकते हैं। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और अन्य प्रदूषण स्रोत हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ हवा का फैलाव सीमित होने पर कुछ क्षेत्रों में प्रदूषकों का जमाव भी बढ़ सकता है।

पछुआ हवाओं से गिर रहा तापमान, दीपावली तक बढ़ेगी ठंड

मौसम में बदलाव का असर अब दिन और रात के तापमान पर दिखने लगा है। दिन में धूप निकलने के बावजूद सुबह और शाम के समय मौसम अपेक्षाकृत ठंडा महसूस हो रहा है। सूरज अस्त होते ही तापमान में गिरावट आने से रात में ठंड का अहसास बढ़ जाता है।

ठंड के साथ बढ़ा प्रदूषण, कई शहरों की हवा खराब

तापमान में गिरावट और मौसम में बदलाव के बीच प्रदेश के कई शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के आधार पर उपलब्ध जानकारी में गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा की स्थिति सबसे चिंताजनक बताई गई है। यहां AQI 230 से 270 के पार दर्ज किया गया है। लखनऊ में यह करीब 185, वाराणसी में 175 से 178, प्रयागराज में 135 से 165 और नोएडा में लगभग 160 बताया गया है।

- **आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट हो सकती है।**
- **पश्चिमी विक्षोभ और पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाले मौसमी बदलावों का असर भी मैदानी इलाकों के मौसम पर पड़ सकता है। इससे दीपावली के आसपास सुबह और रात की ठंड बढ़ने के आसार हैं।**

दुष्कर्म के दोषी को 12 साल की सजा कोर्ट ने 34 हजार जुर्माना लगाया

पुलिस की प्रभावी पैरवी से मिली सफलता

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में बुधवार को दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने दोषी को 12 साल की कैद की सजा सुनाई है। उस पर 34 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला लोनीकटरा थाना क्षेत्र के एक मामले में आया है। पुलिस के मुताबिक, 27 जून 2023 को महिला की शिकायत पर मनीष उर्फ संजय के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। आरोप था कि उसने दुष्कर्म किया, घर में घुसा और धमकी दी। लोनीकटरा थाने में आईपीसी की धारा 376, 452 और 506 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। तत्कालीन जांच अधिकारी सुरेश कुमार वर्मा ने मामले की जांच की। उन्होंने साक्ष्य जुटाकर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी के निर्देश पर ऑपरेशन कनविक्शन के तहत मामले में प्रभावी पैरवी की गई। बाराबंकी के अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नंबर-37 ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मनीष उर्फ संजय को दोषी ठहराया। कोर्ट ने उसे 12 साल की कैद और 34 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

- **महिला की शिकायत पर दर्ज हुआ था केस**
- **ऑपरेशन कनविक्शन के तहत हुई पैरवी**
- **सबूतों के आधार पर सुनाई सजा**

विवाद: शिक्षकों को मिल रही फोन पर धमकी, सपा प्रत्याशी के समर्थन में आए बीजेपी एमएलसी

डीआईओएस कह रहे भाजपा को वोट दें : संजयन

तमसा संकेत, एजेंसी

> **ज्ञापन के मुताबिक, प्रबंधकों से कहा जा रहा है कि वे अपने स्कूलों के मतदाता शिक्षकों से भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में मतदान कराएं। ऐसा नहीं करने पर जिलाधिकारी के माध्यम से विद्यालय की मान्यता रद्द कराने की धमकी देने का भी आरोप है। डॉ. संजयन त्रिपाठी ने कहा कि चुनाव में अधिकारियों के जरिए इस तरह का दबाव बनाया जाना निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। हालांकि, उनके लगाए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।**

गोरखपुर । गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव से पहले सियासी विवाद शुरू हो गया है। सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी ने भाजपा पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

उन्होंने दावा किया कि आजमगढ़ और मऊ के DIOS विद्यालयों के प्रबंधकों को फोन कर भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में वोट कराने का दबाव बना रहे हैं। आरोप है कि ऐसा नहीं करने पर स्कूलों की मान्यता रद्द कराने की धमकी दी जा रही है।

बुधवार को सपा प्रत्याशी ने वरिष्ठ नेताओं के साथ मंडलायुक्त कार्यालय पहुंचकर निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मामले की जांच कराने और आरोप सही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भाजपा MLC देवेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी की ओर से DIOS पर लगाए गए धमकी देने के आरोपों का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में शिक्षकों को धमकाकर MLC चुनाव में वोट हासिल करने की कोशिश की जा रही है।

फोन कर वोट कराने का दबाव बनाने का आरोप

डॉ. संजयन त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि पिछले दो दिनों से आजमगढ़ के कई विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य और मदरसों से जुड़े लोग उन्हें फोन कर शिकायत कर रहे हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों और स्कूलों में काम करने वाले कुछ कर्मचारियों के जरिए भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान कराने के निर्देश दिए जा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारी को दिए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आजमगढ़ समेत अन्य जिलों के वित्तविहीन और वित्तपोषित विद्यालयों के प्रबंधकों ने उनसे शिकायत की है। आरोप है कि जिला विद्यालय निरीक्षकअपने कार्यालय के माध्यम से प्रबंधकों पर दबाव बना रहे हैं।

सड़क हादसे में पति-पत्नी और साले की मौत पांच साल के बच्चे की हालत गंभीर

घटना

एक बाइक से प्रतापगढ़ से प्रयागराज जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ के बाघराय थाना क्षेत्र में बुधवार 1 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। हाईवे पर छेवंगा नहर के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।

कुंडा के रहने वाले नोखेलाल (35) के यहां उनकी बहन रीता (45) और जीजा हैदर (48) आए थे। हैदर प्रयागराज जिले के मऊआइमा थाना क्षेत्र स्थित जलालपुर के रहने वाले थे। बुधवार दोपहर 1 बजे नोखेलाल बाइक पर बहन-जीजा और अपने 5 साल के बेटे शिवम को लेकर प्रयागराज छोड़ने जा रहे थे। एक तेज रफ्तार डंपर (संख्या UP 72 DT 5961) ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघराय पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने नोखेलाल, हैदर और रीता को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल पांच वर्षीय मासूम शिवम को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल प्रतापगढ़ रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्रतापगढ़ मोर्चरी भेज दिया है। साथ ही, डंपर और उसके चालक को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

रिमोट दबाते ही धधका रावण

कहीं राम-रावण युद्ध ने बांधा समां

सराहना

अंबेडकरनगर में विजयादशमी पर जगह-जगह हुए आयोजन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। कहीं रावण के पुतले ने आग पकड़ी तो कहीं राम-रावण युद्ध के मंचन के बीच जय श्रीराम के जयकारे गूंज उठे। विजयादशमी पर मंगलवार को जिलेभर में दशहरे की धूम रही। पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने रावण दहन किया। एनटीपीसी टांडा में परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा ने रिमोट दबाकर पुतले का दहन किया। वहीं, जलालपुर में नगर भ्रमण के बाद रामलीला की टीम मैदान पहुंची। यहां युद्ध के मंचन के बाद रावण का पुतला जलाया गया। अलग-अलग आयोजनों में लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक पर्व में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में एनटीपीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने भाग लिया। राजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि विजयादशमी सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान राम का जीवन मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने रामलीला मंचन समिति, कलाकारों और आयोजन से जुड़े सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

कहीं राम-रावण युद्ध ने बांधा समां
पुलिस लाइन और एनटीपीसी टांडा में भी हुआ रावण दहन, जलालपुर में रामलीला देखने उमड़ी भीड़

पुलिस लाइन में एसपी ने किया रावण दहन

एनटीपीसी टांडा के आवासीय परिसर में विजयादशमी पर रामलीला, रावण दहन और आतिशबाजी का आयोजन किया गया। मंगलवार को हुए कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा ने रिमोट दबाकर रावण के पुतले का दहन किया। पुतले में आग लगते ही रामलीला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद हुई आतिशबाजी ने आयोजन को और आकर्षक बनाया।

पुलिस लाइन में एसपी ने किया रावण दहन

रिजर्व पुलिस लाइन्स में भी विजयादशमी पर रावण दहन का आयोजन हुआ। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने रावण के पुतले का दहन किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी और पश्चिमी, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी आलापुर, क्षेत्राधिकारी कार्यालय, अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक और प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजन के जरिए असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया।

इस मौके पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) सुभाष कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) रजनीश कुमार खेतान और गरिमा महिला मंडल की अध्यक्ष विनीता सिन्हा सहित अन्य अधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

नगर भ्रमण के बाद मैदान पहुंची रामलीला की टीम, फिर जला रावण

जलालपुर नगर में दशहरे का मुख्य आकर्षण रामलीला और रावण दहन रहा। श्री रामलीला समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रामलीला की टीम नगर भ्रमण करते हुए मैदान पहुंची। यहां राम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध का मंचन किया गया। इसे देखने के लिए कई हजार लोग एकत्र हुए। मंचन के बाद समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी, उपाध्यक्ष आनंद मिश्र, भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि और मीडिया प्रभारी विकास निषाद ने भगवान राम की आरती उतारी। इसके बाद पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए कोतवाल अजय प्रताप यादव ने रावण के पुतले में आग लगाई।

मेला देखने निकला युवक सुबह सड़क किनारे मिला शव

लखनडीह गांव के बाहर मिला 25 वर्षीय जय सिंह गौतम का शव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मंगलवार शाम मेला देखने के लिए घर से निकले 25 वर्षीय युवक की बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के लखनडीह गांव के बाहर सड़क किनारे उसका शव मिला। मृतक की पहचान जय सिंह गौतम पुत्र स्वर्गीय श्याम कुंवर के रूप में हुई है। उसका मोबाइल फोन भी नहीं मिला है। युवक की मौत कैसे हुई और वह गांव के बाहर सड़क किनारे किन परिस्थितियों में पहुंचा, इन सवालों के जवाब अभी नहीं मिल सके हैं। बुधवार सुबह गांव के बाहर सड़क किनारे युवक का शव पड़ा होने की जानकारी सामने आई। इसकी खबर फैलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे। कुछ ही देर में

घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव की पहचान लखनडीह निवासी जय सिंह गौतम के रूप में हुई। युवक की मौत की जानकारी मिलने पर परिवार में मातम छा गया। मिली जानकारी के अनुसार, जय सिंह मंगलवार शाम मेला देखने के लिए घर से निकला था। इसके बाद वह कहां गया और किन परिस्थितियों में गांव के बाहर पहुंचा, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। बुधवार सुबह उसका शव मिलने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, अब तक ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है, जिससे उसकी मौत की वजह स्पष्ट हो सके। युवक का मोबाइल फोन गायब होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, फोन कब और किन परिस्थितियों में गायब हुआ, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। मोबाइल नहीं मिलने और युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बीच क्या संबंध है, यह जांच का विषय है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करना होगा।

जहांगीरगंज थानाध्यक्ष रितेश कुमार पांडेय ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

फास्ट न्यूज

एसपी प्राची सिंह ने सुनीं लोगों की शिकायतें

अम्बेडकरनगर। आमजन की शिकायतों के निस्तारण के लिए बुधवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई हुई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने आमजन की ओर से रखी गई समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना।

जमीन के विवाद में गिराया टीनशेड, शिव तारा कुटिया में तनाव

अंबेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के शिव तारा कुटिया में जमीन को लेकर चल रहे विवाद के बीच दिनदहाड़े टीनशेड गिराए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। विवाद दो दलित परिवारों के बीच बताया जा रहा है। हालांकि, जमीन के वास्तविक मालिकाना हक और टीनशेड गिराने की परिस्थितियों की पुष्टि नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, शिव तारा कुटिया में जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद है। इसी बीच एक टीनशेड गिराए जाने की घटना हुई।

स्वामी ओमप्रकाश का जन्मोत्सव 'सनातन जगाओ

अम्बेडकरनगर। मिशन योगी अगेन सीएम उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक और पूर्व वायुसेना अधिकारी स्वामी ओमप्रकाश का 62वां जन्मोत्सव मंगलवार को 'सनातन जगाओ, भारत बचाओ दिवस' के रूप में मनाया गया। अयोध्या के शेरवाघाट स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम में धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विजयादशमी पर पुलिस लाइन में गूंजा परंपरा और कर्तव्य का संदेश

क्वार्टर गार्ड में विधि-विधान से हुई पूजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को पुलिस लाइन में परंपरा और कर्तव्यनिष्ठा का संगम देखने को मिला। पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में परंपरागत पूजा संपन्न हुई। आयोजन के माध्यम से पुलिस बल ने साहस, अनुशासन और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विजयादशमी पर आयोजित शस्त्र पूजन में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) देवेश चतुर्वेदी, अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) डॉ. तेजवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर/लाइन अरुण कुमार नौहवार और प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार

मौजूद रहे। पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी आयोजन में शामिल हुए। शस्त्र पूजन पुलिस विभाग की परंपरा का हिस्सा है। इस अवसर पर पुलिस बल की कर्तव्यनिष्ठा, साहस, अनुशासन और जनसेवा के संकल्प को दोहराया गया। पुलिसकर्मियों के लिए शस्त्र सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी से जुड़े हैं। ऐसे आयोजन अपने दायित्वों के प्रति सजग रहने का संदेश देते हैं।

पति-पत्नी की मौत का रहस्य बरकरार बिसरा जांच से खुलेगा राज

आजनपारा में दंपती की संदिग्ध मौत का कारण पोस्टमार्टम में भी नहीं चला पता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रात में खेत की सिंचाई करने गए विष्णु लाल और उनकी पत्नी द्रौपदी की मौत का रहस्य अब तक नहीं खुल सका है। मालीपुर थाना क्षेत्र के आजनपारा गांव में सोमवार सुबह दोनों के चोटिल शव खेत के पास मिले थे। पोस्टमार्टम में भी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ। इसके चलते चिकित्सकों ने बिसरा सुरक्षित कर लिया है। अब बिसरा जांच की रिपोर्ट से मौत की वजह सामने आने की उम्मीद है। आजनपारा गांव निवासी विष्णु लाल रविवार रात पत्नी द्रौपदी के साथ खेत की सिंचाई करने गए थे। सोमवार सुबह खेत के पास दोनों के शव मिलने की जानकारी सामने आई तो इलाके में हलचल मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव घर पहुंचे तो परिवार में कोहराम मच गया। बाद में पुलिस की मौजूदगी में कन्नूपुर गांव के समीप घाट पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सीओ जलालपुर अनूप कुमार सिंह के साथ सर्किल के विभिन्न थानों की पुलिस तैनात रही। घर से अंतिम संस्कार स्थल तक पुलिस बल मौजूद रहा। इस दौरान कई राजनीतिक दलों के लोग भी पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर मौत की वजह स्पष्ट करने की मांग की।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने के कारण चिकित्सकों ने बिसरा सुरक्षित किया है। फिलहाल दंपती की मौत की परिस्थितियां साफ नहीं हैं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

शिक्षक संवाद पर सपा का सवाल, मेडिकल कॉलेज में चुनावी कार्यक्रम की जांच की मांग

जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों पर दबाव बनाने का लगाया आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में सरकारी तंत्र के इस्तेमाल को लेकर समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। पार्टी ने महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज, सदरपुर टांडा में भाजपा समर्थित प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी के प्रस्तावित शिक्षक संवाद कार्यक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। बुधवार को सपा प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि आचार संहिता का उल्लंघन मिलने पर कार्यक्रम स्थगित कराया जाए। सपा जिलाध्यक्ष जंगबहादुर यादव ने आरोप लगाया कि 21 अक्टूबर को प्रस्तावित शिक्षक संवाद में शामिल होने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से प्रधानाचार्यों, प्रबंधकों और शिक्षक मतदाताओं को कहा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकारी संस्थान या सरकारी तंत्र का इस्तेमाल चुनावी उद्देश्य से किया जा रहा है, तो इसकी जांच जरूरी है।

जंगबहादुर यादव ने जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. कौस्तुभ कुमार सिंह पर शासकीय, अर्द्धशासकीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्राचार्यों व प्रबंधकों पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में मतदान के लिए अनुचित दबाव बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने का अवसर मिलना चाहिए। सपा प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से शिक्षक संवाद कार्यक्रम की जांच कराने और आचार संहिता का उल्लंघन पाए जाने पर इसे स्थगित कराने की मांग की। पार्टी ने आरोप प्रमाणित होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों और व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की भी मांग उठाई।

25 और 30 अक्टूबर व 1 नवंबर को छह पालियों में होगी परीक्षा

जिले में 23 केंद्रों पर होगी पीईटी परीक्षा

- 9,816 अभ्यर्थियों की व्यवस्था में जुटा प्रशासन
- जिलाधिकारी ने तैयारियों की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिन में छह पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। इसमें कुल 9,816 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों और केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। उन्होंने परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट को अपने आवंटित परीक्षा केंद्रों का भौतिक निरीक्षण करने को कहा। उन्हें केंद्र व्यवस्थापकों के साथ समन्वय बनाकर सभी तैयारियों की पहले से जांच करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक केंद्र पर आयोग के मानकों के अनुरूप जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। अभ्यर्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आयोग की बुकलेट और दिशा-निर्देशों का गहन अध्ययन करने को कहा। उन्होंने परीक्षा से पहले, परीक्षा के दौरान और परीक्षा समाप्त होने के बाद की जाने वाली सभी प्रक्रियाओं की जानकारी रखने के निर्देश दिए। परीक्षा के प्रत्येक दिन प्रश्नपत्र वितरण से लेकर अन्य निर्धारित व्यवस्थाओं में समन्वय बनाए रखने के लिए कक्ष निरीक्षकों की ब्रीफिंग भी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा निर्धारित नियमों के तहत निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुचिता के साथ संपन्न कराई जाए।

परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की निगरानी और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। बैठक में संबंधित अधिकारियों और केंद्र व्यवस्थापकों को उनके दायित्वों की जानकारी दी गई।

तीन दिन, छह पालियां और 23 परीक्षा केंद्र

आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले में PET-2026 की परीक्षा 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर को आयोजित होगी। प्रत्येक दिन दो पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए प्रत्येक केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट, एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट और एक केंद्र व्यवस्थापक की तैनाती की गई है।

एयरटेल टावर से चोरी हुईं 7.50 लाख की 22 बैटरियां बरामद, दो गिरफ्तार

हंस तिराहे पर बैटरी लदा ई-रिक्शा रोकने पर हुआ विवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा के अलीगंज थाना क्षेत्र में एयरटेल टावर से चोरी हुईं 22 बैटरियां पुलिस ने बरामद कर ली हैं। इनकी कीमत करीब 7.50 लाख रुपये बताई गई है। मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय के अनुसार, दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, टांडा नगर के कस्बा पश्चिम मोहल्ले में एयरटेल कंपनी का टावर लगा है। बीते दिनों टावर से करीब दो दर्जन बैटरियां चोरी हो गई थीं। इस मामले में टावर की जिम्मेदारी संभाल रहे अरबाज खान ने अलीगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पीआरवी टीम के कमांडर बोबी और आरक्षी

उमाशंकर यादव हंस तिराहे पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बैटरियों से लदे ई-रिक्शा (यूपी 45 एटी 9481) को संदेह के आधार पर रोक लिया और कागजात मांगे। पुलिस के अनुसार, ई-रिक्शा सवार राहुल जायसवाल निवासी मोहल्ला व थाना अलीगंज और प्रमोद कुमार निवासी कस्बा पश्चिम पुलिसकर्मियों से उलझ गए और बदसलूकी करने लगे। इसके बाद पीआरवी टीम ने थाने को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी दोनों युवकों और बैटरी लदे ई-रिक्शे को थाने ले गए। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान दोनों की निशानदेही पर चोरी की 22 बैटरियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, राहुल जायसवाल के खिलाफ विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

आलापुर में 27 और टांडा में 30 अक्टूबर को लगेगा रोजगार मेला

18 से 40 वर्ष तक के अभ्यर्थियों को मिलेगा अवसर

तमसा संकेत, संवाददाता

- 10वीं पास से उच्च शिक्षित अभ्यर्थी कर सकेंगे प्रतिभाग
- पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी
- रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य

अम्बेडकरनगर। जिले में बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आलापुर और टांडा विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से आयोजित इन मेलों में निजी क्षेत्र की कंपनियां अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी।

जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने बताया कि आलापुर विधानसभा का रोजगार मेला 27 अक्टूबर को पं. रामलखन शुक्ल राजकीय पीजी कॉलेज परिसर में लगेगा। वहीं, टांडा विधानसभा का रोजगार मेला 30 अक्टूबर को चौधरी हनुमान प्रसाद कृषक पीजी कॉलेज, रुद्रपुर भगाही, बरियावन में आयोजित होगा।

रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष तक के अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। इसके लिए कक्षा 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण और अन्य उच्च शैक्षिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। मेले में देश और प्रदेश की निजी क्षेत्र की कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद ही मेले में प्रतिभाग किया जा सकेगा।

जिला सेवायोजन अधिकारी ने पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि और स्थान पर पहुंचकर रोजगार मेले में शामिल होने की अपील की है।

जांच: सड़क हादसा मानकर बंद की गई विवेचना पर मृतक के भाई ने जताई थी आपत्ति

अनूप यादव की मौत की फिर होगी जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटका थाना क्षेत्र के अनूप यादव की मौत के मामले में न्यायालय के आदेश से जांच फिर शुरू होगी। पुलिस की ओर से मौत को सड़क दुर्घटना मानते हुए दाखिल की गई अंतिम रिपोर्ट न्यायालय ने निरस्त कर दी है। 17 अक्तूबर को पारित आदेश में किसी अन्य विवेचक से मामले की पुनर्विवेचना कराने का निर्देश दिया गया है। इससे अब मौत से जुड़े उन सवालों की दोबारा जांच होगी, जिन पर मृतक के भाई ने आपत्ति जताई थी। प्रार्थना पत्र के मुताबिक, 20 नवंबर 2025 को विवेक राजभर अनूप यादव को मोटरसाइकिल से अपने साथ ले गया था। रात में उसने फोन कर अनूप के दुर्घटना में घायल होने की सूचना दी। परिजन अस्पताल पहुंचे तो अनूप मृत मिला। रामस्वरूप ने दुर्घटना के हालात, मोटरसाइकिल पर क्षति नहीं होने और अनूप को अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने हत्या की आशंका भी जताई थी। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। थानाध्यक्ष कटका को किसी अन्य विवेचक से पुनर्विवेचना कराने और आवश्यक अभिलेख प्राप्त कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। न्यायालय ने रामस्वरूप को भी विवेचक के बुलाने पर अपने गवाहों के साथ उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने को कहा है। अब पुनर्विवेचना में मौत की परिस्थितियों और उठाए गए सवालों की पड़ताल की जाएगी।

पुलिस ने विवेचना के बाद घटना को सड़क दुर्घटना मानते हुए 30 नवंबर 2025 को न्यायालय में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। मृतक के भाई की आपत्तियों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने इसे निरस्त कर दिया और नए सिरे से जांच का आदेश दिया।

दुर्घटना की परिस्थितियों पर उठाए थे सवाल

मृतक के भाई रामस्वरूप ने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट के खिलाफ न्यायालय में प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। उनका कहना था कि अनूप की मौत को दुर्घटना बताया गया, लेकिन घटनाक्रम और परिस्थितियां संदेह पैदा करती हैं। उन्होंने विवेचना में कई बिंदुओं पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

जैतूपुर में फंदे से लटका मिला 40 वर्षीय राजू का शव

महरुआ थाना क्षेत्र में सोमवार रात की घटना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महरुआ थाना क्षेत्र के जैतूपुर मलवनिया गांव में सोमवार रात 40 वर्षीय राजू गुप्ता का शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिवार में अफरा-तफरी मच गई। राजू गुप्ता पुत्र छेदी गुप्ता की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब नौ बजे राजू की मौत की जानकारी सामने आई। परिजनों का कहना है कि घटना के समय वह शराब के नशे में था। हालांकि, मौत की वजह की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। राजू अपने पीछे पत्नी, दो बेटों और बुजुर्ग माता-पिता को छोड़ गया है। उसके बेटे राहुल की उम्र 18 वर्ष और कृष्णा की 15 वर्ष बताई गई है। बेटी की शादी इसी वर्ष हुई थी। परिवार के मुखिया की मौत से परिजन परेशान हैं।

परिजनों ने शराब के नशे में होने की बात कही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

महरुआ थानाध्यक्ष दौमित्र सेन रावत ने बताया कि घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सम्पादकीय

संघ प्रमुख की चेतावनी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अपने वार्षिक उत्सव पर जो कुछ कहा, उस पर सभी को ध्यान देना चाहिए-चाहे वे इस संगठन की रीति-नीति से असहमत लोग ही क्यों न हों। उनकी यह चेतावनी समयानुकूल है कि भारत में बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की जो कोशिश हो रही है, उसके पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं, जो देश को कमजोर कर अपने संकीर्ण स्वार्थ सिद्ध करना चाहती हैं।

इनमें विदेश की भी कुछ शक्तियां हैं, जो असंतोष को हवा देकर देश में अराजकता फैलाने के लिए सक्रिय हैं। इन शक्तियों में जहां कुछ ऐसे संगठन हैं, जिन्हें भारत की प्रगति रास नहीं आ रही है तो कुछ ऐसे भी, जिन्हें भारत का वर्तमान शासन अपने हितों के अनुकूल नहीं लग रहा है। ऐसी शक्तियों का सबसे बड़ा हथियार हैं सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्म।

इंटरनेट मीडिया ऐसी तकनीक पर काम करता है कि वह लोगों के सोच को कहीं अधिक आसानी से दुष्प्रभावित कर देता है। कई बार तो वह विवेक का पूरी तरह हरण कर लेता है। एआइ के आगमन के चलते यह काम और बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। इसी कारण संघ प्रमुख ने यह रेखांकित किया कि नई तकनीक सीखना और उसमें सक्षम बनना आवश्यक है, लेकिन इसी के साथ नैतिकता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आज इसकी अनदेखी नहीं हो सकती कि इंटरनेट मीडिया के जरिये भारत में सामाजिक विभाजन की खाई को चौड़ा करने का ही काम नहीं किया जा रहा है, बल्कि नितांत झूठे और भ्रामक नैरेटिव से लोगों को बरगलाया-उकसाया भी जा रहा है। इसके लिए कई बार लोगों की कुछ जायज चिंताओं की शातिर तरीके से आड़ ली जाती है और फिर संबंधित आंदोलन को खतरनाक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगता है। चिंताजनक यह है कि जन समर्थन पाने के लोभ में राजनीतिक दल भी ऐसे आंदोलनों का साथ देने के लिए आगे आ जाते हैं। देश में इन दिनों यही देखने को मिल रहा है। भारत के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त करते हुए संघ प्रमुख ने एक और महत्वपूर्ण बात यह कही कि देश और समाज को चलाने की जिम्मेदारी केवल नेताओं की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी है।

वे इस जिम्मेदारी का निर्वाह अनुशासन भाव का परिचय देकर और नियम-कानूनों के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहकर ही कर सकते हैं। वास्तव में देश के समग्र विकास की यही कुंजी है। यह समझा ही जाना चाहिए कि हर समस्या का समाधान आंदोलन नहीं हैं और ऐसे आंदोलन तो कतई नहीं, जो लोगों को विभाजित करने का काम करते हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति और खुशहाली के लिए यह आवश्यक है कि मतभेदों और असहमतियों के बाद भी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता

> भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं।

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्बोधन इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।

बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित की वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें। आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वर्षों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उत्तेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रसेवा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो। भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे। राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्वक खड़ा हो सके।

ललित गर्ग

साहित्य केवल समाज...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बदलती पीढ़ियाँ, परंपरा और सामाजिक पुनरुत्थान

हर पीढ़ी अपने समय की नवीनता के साथ होती है, लेकिन वह केवल अपने समय से नहीं बनती। उसके भीतर पिछली पीढ़ियों की स्मृतियाँ, संस्कार और अनुभव भी होते हैं और आने वाले समय की आकांक्षाएँ भी। इसलिए पीढ़ियों का अंतर केवल उम्र का अंतर नहीं बल्कि समय को देखने की दृष्टि का अंतर है।

आज जेन जी और अल्फा जी जिस दुनिया में बड़े हो रहे हैं, वह पिछली पीढ़ियों की दुनिया से मूलतः भिन्न है। सूचना उनकी जेब में है, संवाद स्क्रीन पर है और दुनिया की सीमाएँ उनके लिए पहले जैसी नहीं रहीं। उन्होंने तकनीक को अपनाया नहीं है, बल्कि तकनीक के साथ ही जीवन को समझना शुरू किया है। उनकी सोच अधिक स्वतंत्र, प्रश्नाकुल और वैश्विक है। वे परंपरागत मान्यताओं को केवल इसलिए स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं कि वे पुरानी हैं। वे ज्यादा तार्किक और वैज्ञानिक सोच के साथ बढ़ रहे हैं।यह परिवर्तन आश्वस्त भी करता है और चिंतित भी।

आश्वस्त इसलिए कि नई पीढ़ी समानता, स्वतंत्रता, पर्यावरण, मानवीय गरिमा और व्यक्तिगत पहचान जैसे प्रश्नों को गंभीरता से लेती है। वह स्थापित धारणाओं से संवाद करने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें चुनौती देने का साहस रखती है। चिंता इसलिए कि अत्यधिक गति के इस समय में कहीं धैर्य, आत्मीयता, सामुदायिकता और स्मृति जैसे मूल्य पीछे न छूट जाएँ। सूचना का विस्तार ज्ञान की गारंटी नहीं है और तकनीकी संपर्क आत्मीय संवाद का पर्याय नहीं। हमारे पास पहले से अधिक साधन हैं, लेकिन यह प्रश्न अब भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन साधनों के बीच मनुष्य अपने भीतर कितना बचा रह पाता है। यहीं परंपरा का प्रश्न सामने आता है। परंपरा अतीत का बोझ नहीं, अनुभव की संचित ऊर्जा है। जीवित परंपरा वह है जो समय के साथ प्रश्न पूछती है, बदलती है और अपने मूल मानवीय अर्थ को नए संदर्भों में पुनः खोजती है। स्थापित करती है, सुधार करती है। इसलिए नई पीढ़ी से यह अपेक्षा करना कि वह सब कुछ वैसा ही स्वीकार कर ले जैसा पिछली पीढ़ियों ने किया, उचित नहीं। लेकिन पुरानी पीढ़ी के अनुभवों को केवल इसलिए अप्रासंगिक मान लेना भी उतना ही अधूरा दृष्टिकोण है। आवश्यक है कि दोनों के बीच संवाद हो, टकराव नहीं। परंपरा को बचाने का सबसे प्रभावी तरीका उसे नई पीढ़ी पर थोपना नहीं, बल्कि उसके अर्थ को उसके जीवन से जोड़ना है। यदि हम करुणा, सत्य, श्रम, प्रकृति, परिवार, सामाजिक उत्तरदायित्व और सहअस्तित्व को महत्वपूर्ण मानते हैं, तो इन मूल्यों की प्रासंगिकता आज की भाषा में समझानी होगी। नई पीढ़ी को अतीत की श्रेष्ठता के प्रमाण नहीं, उसके अनुभवों का अर्थ चाहिए। यहीं से पुनरुत्थान की अवधारणा जन्म लेती है। पुनरुत्थान का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, बल्कि अतीत की सार्थक चेतना को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्जीवित करना है। जो परंपरा मनुष्य को अधिक संवेदनशील, विवेकशील और उत्तरदायी बनाती है, उसे बचाना पुनरुत्थान है। जो केवल रूढ़ि है और मनुष्य की स्वतंत्रता या गरिमा को सीमित करती है, उससे मुक्त होना भी पुनरुत्थान का ही हिस्सा है।

साहित्य केवल समाज का दर्पण नहीं है। वह समाज की स्मृति, उसकी अंतरात्मा और उसके भविष्य की कल्पना भी है। वह यह दर्ज करता है कि किसी समय मनुष्य ने क्या देखा, क्या सहा, क्या चाहा और किस तरह के समाज का सपना देखा। इसलिए आज का साहित्य यदि अपने समय को ईमानदारी से प्रतिबिंबित करना चाहता है, तो उसे नई पीढ़ी के हाथ में मौजूद तकनीक के साथ साथ उसके भीतर चल रहे मानसिक और नैतिक द्वंद्व को भी समझना होगा। नई पीढ़ी को केवल तकनीक से जोड़कर देखना उसके साथ अन्याय होगा। उसके प्रश्न पहचान के हैं, स्वतंत्रता के हैं, संबंधों के हैं, भविष्य की अनिश्चितताओं के हैं और उस दुनिया के हैं जिसमें अवसरों के साथ अकेलापन भी बढ़ रहा है। साहित्य को इन अनुभवों का साक्षी बनना होगा।साथ ही साहित्य का एक और दायित्व है, पीढ़ियों के बीच संवाद का सेतु बनना। दादा दादी की स्मृतियाँ, माता पिता के संघर्ष और नई पीढ़ी के सपने जब एक ही कथा में मिलते हैं, तब परंपरा जीवित अनुभव में बदल जाती है। लोककथा, लोकगीत, संस्मरण, पारिवारिक कथाएँ और स्थानीय इतिहास इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि वे हमें बताते हैं कि हम कहाँ से आए हैं। लेकिन उनका मूल्य तभी स्थायी होगा जब वे यह भी बता सकें कि आज हमारे लिए उनकी प्रासंगिकता क्या है।

पीएम गति ...

सरिता वर्मा

पीएम गति शक्ति से विकास परियोजनाओं को मिल रही है तेजी

उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य परियोजना शुरू होने से पहले ही उसकी जरूरत, उपलब्ध संसाधनों और संभावित बाधाओं का आकलन करना है, ताकि निर्माण के दौरान आने वाली अड़चनों को कम किया जा सके और परियोजनाएं समय पर आगे बढ़ें।

पीएम गति शक्ति की खासियत विभिन्न विभागों से संबंधित सूचनाओं को एक साझा मंच पर उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश ने इस प्लेटफॉर्म पर 29 अनिवार्य डेटा लेयर्स को एकीकृत किया है, जबकि 56 अतिरिक्त विभागीय लेयर्स शुरू या एकीकृत की जा चुकी हैं। इससे किसी क्षेत्र की सड़क, बिजली, परिवहन, भूमि, सामाजिक और अन्य आधारभूत जरूरतों को एक साथ देखते हुए परियोजना की बेहतर योजना तैयार करने में मदद मिलती है। इस व्यवस्था के प्रभावी उपयोग को लेकर हाल ही में लखनऊ स्थित इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों और जिलों के 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। लोक निर्माण, ऊर्जा, यूपीडा, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास समेत कई विभागों के अधिकारियों ने परियोजना स्तर पर पीएम गति शक्ति के उपयोग और इसके व्यावहारिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। अब इसका फोकस केवल नियोजन तक सीमित न रहकर परियोजनाओं को जमीन पर तेजी से उतारने पर है। प्रदेश में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत 2,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 32 से ज्यादा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया गया है। ऐसी परियोजनाओं में कई विभागों और एजेंसियों की भागीदारी होती है। साझा नियोजन से इनके बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और कार्यों में अनावश्यक देरी से बचने में मदद मिल रही है। पीएम गति शक्ति को परियोजना व्यवस्था का हिस्सा बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को इसके तहत विचार के लिए रखा जाना आवश्यक किया गया है। सभी 75 जिलों में जिला स्तरीय नियोजन व्यवस्था लागू है। 2,000 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि परियोजना नियोजन और निगरानी के लिए 26 से अधिक एप्लिकेशन विकसित किए गए हैं। इससे स्थानीय स्तर पर भी परियोजनाओं की योजना और प्रगति की निगरानी को मजबूत आधार मिला है।

पीएम गति शक्ति का क्रियान्वयन अब विभिन्न क्षेत्रों की परियोजनाओं में भी हो रहा है। 'पहुंच' शिक्षा नियोजन उपकरण, लखनऊ मेट्रो चरण-1बी के संरेखण की योजना और अन्नपूर्णा भवन के लिए भूमि की पहचान इसके उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट है कि एकीकृत डेटा का उपयोग केवल बड़े निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, शहरी परिवहन और अन्य सामाजिक जरूरतों से जुड़ी परियोजनाओं में भी किया जा सकता है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, रेल और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। ऐसे में अलग-अलग क्षेत्रों की परियोजनाओं को एक-दूसरे से जोड़कर देखना जरूरी है।

सीजेपी के विरोध में 'लाल हिट जनता पार्टी का उदय

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले 'लाल हिट जनता पार्टी नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए।'लाल हिट जनता पार्टी' के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लडना नहीं बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है।

- सौरभ वार्ष्णेय

जरा हटके

जनपद गाजियाबाद...

डॉ0 सीमा गुप्ता

गाजियाबाद में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से सशक्त हो रहा मातृत्व और पोषण

केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में और प्रदेश सरकार द्वारा 'मिशन शक्ति' के 'सामर्थ्य' घटक के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY 2.0) गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य व पोषण को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) पर आधारित इस कल्याणकारी पहल का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान होने वाले मजदूरी के नुकसान की आंशिक भरपाई करना और महिलाओं को आवश्यक आराम व समुचित पोषण उपलब्ध कराना है।

जनपद गाजियाबाद में इस योजना का क्रियान्वयन अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जा रहा है, जहां जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन में समाज के अंतिम पायदान पर स्थित पात्र महिलाओं तक समयबद्ध आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। यह योजना न केवल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में सहायक बन रही है, बल्कि समय पर प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), संस्थागत प्रसव तथा नवजात के पूर्ण टीकाकरण को भी जन आंदोलन का रूप दे रही है। योजना के धरातलीय प्रभाव का प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद गाजियाबाद के कौशाम्बी क्षेत्र की निवासी श्रीमती रीतू शुक्ला (पत्नी श्री मनोज कुमार) के अनुभव में दिखाई देता है। पहली बार मां बनने के दौरान परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति के कारण वह गर्भावस्था से जुड़े अतिरिक्त चिकित्सा एवं पोषण व्यय को लेकर अत्यंत चिंतित थीं। परिवार के लिए नियमित दवाओं, संतुलित आहार और आवश्यक चिकित्सकीय जांचों का खर्च वहन करना उनके लिए एक चुनौती बना हुआ था।

ऐसे समय में क्षेत्र की स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकत्री ने गृह भ्रमण के दौरान उनसे संपर्क साधा और उन्हें केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यकत्री के सक्रिय सहयोग से रीतू शुक्ला का आवश्यक प्रपत्रों के साथ योजना के पोर्टल पर त्वरित पंजीकरण कराया गया। इसके उपरांत निर्धारित समयावधि में प्रथम प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) पूर्ण होते ही उनके बैंक खाते में 3,000 की पहली किस्त सीधे अंतरित कर दी गई।

इस आरंभिक आर्थिक सहयोग से रीतू को गर्भावस्था के नाजुक दौर में फल, हरी सब्जियां, दूध और पोषण संबंधी अन्य जरूरी वस्तुएं जुटाने में महत्वपूर्ण संबल मिला। इसके पश्चात संस्थागत प्रसव और नवजात शिशु के जन्म पंजीकरण सहित प्राथमिक टीकाकरण चक्र (बीसीजी, ओपीवी, डीपीटी एवं हेपेटाइटिस-बी) पूर्ण होने पर उन्हें 2,000 की दूसरी किस्त भी डीबीटी के माध्यम से सुगमता से प्राप्त हो गई। आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर मातृत्व का सुख प्राप्त करने वाली रीतू शुक्ला आज एक स्वस्थ बच्ची की मां हैं। उन्होंने इस जीवनोपयोगी सहायता के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। अब वह अपने क्षेत्र की अन्य गर्भवती महिलाओं को भी समय से पंजीकरण कराने और स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित जांच कराने के लिए जागरूक व प्रेरित कर रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 2.0 के संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, पहले जीवित बच्चे के जन्म पर पात्र धात्री महिला को दो किस्तों में कुल 5,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें गर्भावस्था के समय पर पंजीकरण एवं न्यूनतम एक प्रसव पूर्व जांच पर 3,000 तथा शिशु के जन्म पंजीकरण व 14 सप्ताह तक के प्राथमिक टीकाकरण चक्र के पूर्ण होने पर 2,000 की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। इसके साथ ही, समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने तथा लिंगानुपात में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से योजना में विशेष प्रावधान जोड़ा गया है। यदि लाभार्थी की दूसरी संतान बालिका होती है, तो महिला को प्रसव उपरांत 6,000 की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह व्यवस्था कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम और बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य की नींव को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभा रही है।

जनपद गाजियाबाद में योजना को शत-प्रतिशत संतृप्त करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस) विभाग के मध्य सुदृढ़ अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया गया है। जनपद के घने शहरी क्षेत्रों, औद्योगिकीकृत बस्तियों तथा ग्रामीण विकास खंडों में कार्यरत आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष दायित्व सौंपे गए हैं, जिससे कोई भी पात्र महिला जानकारी के अभाव में लाभ से वंचित न रहे।

जनपद के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित होने वाले ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) और नगरीय स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (यूएचएनडी) के अवसरों पर विशेष पंजीकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान और टीकाकरण के साथ-साथ योजना के फॉर्म ऑनलाइन भरवाने की व्यवस्था की गई है।

योजना की संपूर्ण प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी, सुरक्षित और बिचौलिया-मुक्त बनाने के लिए अत्याधुनिक 'पी.एम.एम.वी.वाई. सॉफ्ट पोर्टल' का उपयोग किया जा रहा है। इसमें आधार-आधारित अधिप्रमाणन और राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों का त्वरित सत्यापन किया जाता है। वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थी के आधार-सीडेड बैंक अथवा डाकघर खाते में अंतरित होती है, जिससे धनराशि के दुरुपयोग की कोई संभावना नहीं रहती। जिला प्रशासन द्वारा जनपद स्तर पर योजना की प्रगति, आवेदनों के सत्यापन और भुगतान की स्थिति की नियमित समीक्षा की जा रही है। पोर्टल पर दर्ज होने वाले डाटा का रीयल-टाइम अनुश्रवण सुनिश्चित किया गया है, ताकि यदि किसी लाभार्थी के बैंक खाते अथवा प्रपत्रों में कोई तकनीकी त्रुटि सामने आए, तो विभागीय कर्मी तत्काल घर जाकर उसका निराकरण करा सकें।

मातृत्व और शिशु कल्याण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का प्रभाव केवल नकद हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति व्यवहारिक परिवर्तन ला रही है।

श्रद्धा दुबे की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिली

पूछताछ

एसटीएफ नागपुर से लखनऊ कार से लेकर आएगी, मददगार आमिर भी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंस

लखनऊ । यूपी STF को नागपुर जिला कोर्ट से श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिल गई है। STF कुछ देर में तीनों आरोपियों को लेकर नागपुर से लखनऊ के लिए रवाना होगी। पहले श्रद्धा दुबे को फ्लाइट से लाने की तैयारी थी, लेकिन लखनऊ के लिए सीधे फ्लाइट नहीं थी। इसलिए प्लान में बदलाव किया गया।

लखनऊ से नागपुर की दूरी 850 किमी है, ऐसे में पहुंचने में 15-18 घंटे लगेंगे। श्रद्धा को गुरुवार को लखनऊ कोर्ट में पेश किया जाएगा। इधर, गिरफ्तारी के बाद उसके 2 और ऑडियो सामने आए, जिसमें वह शिवा को गालियों के साथ धमकी दे रही है। मंगलवार को

नागपुर के एक अपार्टमेंट से श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और दानिश को गिरफ्तार किया गया था। उधर, यूपी एसटीएफ ने श्रद्धा के ड्राइवर आमिर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है आमिर शिवा की मौत के समय श्रद्धा के साथ था। लखनऊ में 9 अक्टूबर को शिवा शर्मा की श्रद्धा दुबे के फ्लैट से गिरकर संदिग्ध मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा दुबे के खिलाफ हत्या की एफआईआर कराई थी। वारदात के बाद से श्रद्धा फरार थी। हत्यारोपी श्रद्धा का आज जन्मदिन है। शिवा की मां रंजना शर्मा हरिद्वार में आज ही बेटे का अस्थि विसर्जन करने पहुंची हैं। वह श्रद्धा की गिरफ्तारी के बाद ही हरिद्वार के लिए रवाना हो गई थीं। श्रद्धा दुबे के ड्राइवर आमिर को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है आमिर श्रद्धा के साथ नेपाल भी गया था। उसी ने श्रद्धा के लिए फर्जी ID पर सिम लिया था।

यूपी पुलिस की एक टीम नागपुर के हुडकेश्वर पुलिस स्टेशन पहुंची है, जहां आरोपी श्रद्धा दुबे को रखा गया है।

शिवा की मां अस्थि विसर्जन करेंगी, आज श्रद्धा का बर्थडे

शिवा शर्मा की हत्या में शामिल तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनकी मां रंजना शर्मा आज हरिद्वार में बेटे का अस्थि विसर्जन करेंगी। मंगलवार देर शाम श्रद्धा की गिरफ्तारी के बाद वह हरिद्वार रवाना हो गई थी। वहीं, आज यानी बुधवार को श्रद्धा दुबे का बर्थडे भी है।

शिवा शर्मा हत्याकांड: श्रद्धा के साथ बहन और ड्राइवर का क्या रोल?

श्रद्धा दुबे अपनी बहन और ड्राइवर के साथ नागपुर में बेलतरोड़ी थाना क्षेत्र के चिंचभवन स्थित 'प्रोज़ोन काम' (Prozone Calm) अपार्टमेंट में छिपी थी। यूपी एसटीएफ और नागपुर क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर तीनों को हिरासत में लिया। नागपुर पुलिस ने तीनों को उत्तर प्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

नागपुर कोर्ट ने श्रद्धा दुबे समेत तीनों आरोपियों की ट्रांजिट रिमांड यूपी पुलिस को दे दी है। पुलिस तीनों आरोपियों को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हो गई है।

बुद्धेश्वर मंदिर जा रहे बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत

वाहन की टक्कर लगते ही गिरे, पहिये के नीचे दब गए

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । पारा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह बुद्धेश्वर मंदिर दर्शन करने जा रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत हो गई। सड़क पार करते समय किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गिरकर पहिये के नीचे आ गए। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को पुलिस ने उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान पारा के उत्तमनगर लोधी भवन के रहने वाले हीरालाल (75) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उन्नाव जनपद के रहने वाले थे। बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह घर से बुद्धेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए निकले थे। इसी दौरान

सड़क पार करते समय अज्ञात डाले ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल हीरालाल को पारा स्थित संकल्प हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों के मुताबिक, हीरालाल पहले राजगीर का काम करते थे। उनकी आंखों की रोशनी भी कमजोर थी। मृतक के 3 बेटे हैं।

फास्ट न्यूज

रोजगार मेले में टाटा-अडाणी की कंपनियां आईं

लखनऊ । लखनऊ के ITI अलीगंज में बुधवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें टाटा-अडाणी समेत 8 कंपनियां 2550 पदों पर भर्ती कर रही हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 570 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 445 अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिए योग्य पाए गए। मेले में 10वीं, 12वीं, ITI, डिप्लोमा और ग्रेजुएशन तक की योग्यता वाले युवाओं को नौकरी पाने का मौका मिला।

गोमती नगर में दशहरा मेला रावण दहन

लखनऊ। लखनऊ में गोमती नगर के विज्ञान खंड में वैज्ञानिक स्वामी सत्यप्रकाश वेद विज्ञान सेवा समिति की ओर से दशहरा मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामलीला मंचन के बाद रावण दहन हुआ। बाराबंकी से आए कलाकारों ने राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की भूमिका निभाई। कलाकारों के मंचन को दर्शकों ने सराहा। इस दौरान अवनीन्द्र एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला, विशिष्ट अतिथि राकेश त्रिवेदी, नीरा सिन्हा वर्षा और रूप कुमार शर्मा मौजूद रहे।

लखनऊ में व्यक्ति के शव को नोचता दिखा कुत्ता

लखनऊ । लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के लोहरामऊ इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से जुड़ा मामला सामने आया है। शव लावारिस हालत में पड़ा था। इसी दौरान एक कुत्ता शव को नोचता रहा। वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

अब बल्क ट्रांसफर से आने वाले रक्त की भी होगी गुणवत्ता जांच

208 रक्त केंद्रों के निरीक्षण में सामने आईं गंभीर खामियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। रक्त के जरिए हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी और एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। इसलिए मरीज को चढ़ाए जाने वाले रक्त की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। रक्तदाता से रक्त लेने, उसकी जांच करने, सुरक्षित रखने और मरीज को देने तक हर स्तर पर तय मानकों का पालन होना चाहिए। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (यूपीएफएसडीए) ने दूसरे राज्यों से बड़ी मात्रा में मंगाए जाने वाले रक्त और उसके अवयवों की गुणवत्ता जांच की व्यवस्था मजबूत करने की पहल की है। आयुक्त एफएसडीए डॉ रोशन जैकब की ओर से बल्क ट्रांसफर से आने वाली रक्त यूनिटों की प्राप्तकर्ता केंद्र पर भी जांच कराने के लिए राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (एनबीटीसी) को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव के तहत प्रत्येक खेप

- दूसरे राज्यों से आने वाली रक्त यूनिटों में कम से कम 1 प्रतिशत की जांच कराने की पहल, हर खेप के साथ पायलट ट्यूब और संक्रमण जांच रिपोर्ट अनिवार्य
- 55 केंद्रों के लाइसेंस किए गए थे निलंबित

की कम से कम एक प्रतिशत यूनिट अथवा प्रति खेप न्यूनतम एक यूनिट, जो भी अधिक हो, की जांच कराने की सिफारिश की गई है। प्रस्ताव है कि यह जांच स्थानीय औषधि निरीक्षक की मौजूदगी में राजकीय रक्त केंद्र में कराई जाए। इसका उद्देश्य दूसरे राज्यों से आने वाले रक्त की गुणवत्ता की पुष्टि करना और संक्रमित या निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले रक्त के मरीजों तक पहुंचने का जोखिम कम करना है।

कांग्रेस का दावा: यूसुफ को असलम किया, सॉफ्टवेयर का एक्सेस डीएम को नहीं मिला

पीलीभीत में 13150 मुस्लिम वोटरों के नाम बदले

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर बड़े पैमाने पर मुसलमानों के वोट काटने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने दावा किया कि अकेले पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में 13,150 मुस्लिम वोटर्स के एपिक (EPIC) नंबर एक जैसे हैं। लेकिन, उनके नाम और पिता के नाम बदल दिए गए हैं। मतदाता का असली नाम हटाकर दूसरा नाम दर्ज कर दिया गया। उदाहरण के तौर पर 'मोहम्मद यूसुफ' की जगह 'असलम' नाम दर्ज कर दिया गया।

बुधवार को लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय पर पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

सुप्रिया श्रीनेत का आरोप है कि

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- 10 अप्रैल, 2026 को यूपी में फाइनल ड्राफ्ट लिस्ट आने के बाद जुलाई से सितंबर के बीच बिना किसी फॉर्म- 6 या फॉर्म- 7 के आधार पर वोटरों के नाम बदले गए। डीएम-एसडीएम को एक्सेस नहीं दिया जा रहा।

EPIC नंबर के अंतिम 4 अंक 7467 वाले मतदाता का नाम मोहम्मद यूसुफ, पिता का नाम रशीद और उम्र 33 साल दर्ज थी। इसे बदलकर असलम, पिता का नाम रमजान अली और उम्र 33 साल कर दिया गया।

इसी तरह मोहम्मद वसीम के पिता का नाम शेर मोहम्मद के स्थान पर बाबू खान दर्ज किया गया। मोहम्मद इमरान का नाम बदलकर मुजम्मन कर दिया गया। उन्होंने 25 साल के मोहम्मद शराफ का नाम बदलकर अभिषेक और पिता का नाम मोहम्मद उमर से बदलकर सलीम खान दर्ज किए जाने का भी दावा किया।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- मुस्लिमों को वोट से वंचित करने के लिए खास पैटर्न

सुप्रिया श्रीनेत का आरोप है कि यह बदलाव एक खास पैटर्न के तहत मुख्य रूप से मुस्लिम समुदाय के पुरुष वोटरों के साथ किया गया है। यह इसलिए, जिससे परिवार का मुखिया वोट डालने न जा सके। इससे घर की महिलाएं भी वोट डालने नहीं जा पाएंगी। उन्होंने दावा किया कि पीलीभीत सदर सीट पर 2,600 नए वोटर बिना प्रक्रिया के जोड़े गए और 804 वोटरों के नाम काट दिए गए। यह यूपी सरकार में मंत्री संजय गंगवार की विधानसभा है। उन्होंने उनकी तस्वीर दिखाते हुए कहा कि गंगवार ने 2022 में अपना चुनाव 6,920 वोटों से जीता था। इस बार 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए, जबकि उनके EPIC नंबर पुराने ही हैं। इसी विधानसभा क्षेत्र में 16 हजार से ज्यादा वोटों में गड़बड़ी की गई है।

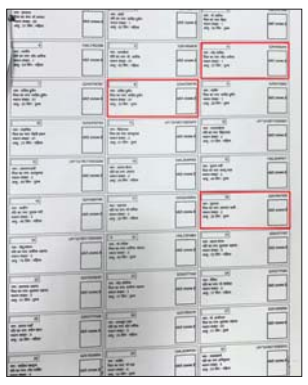

कांग्रेस का दावा है कि 10 अप्रैल को जारी फाइनल एसआईआर लिस्ट में ये नाम शामिल थे।

लखनऊ में 4 हजार कर्मचारी जुटे, कहा- डिप्टी सीएम की भी नहीं सुन रहे

नौकरी पर वापसी न होने पर एम्बुलेंस टेक्नीशियन का धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को GVK EMRI ऑफिस के बाहर बुधवार को एम्बुलेंस टेक्नीशियन धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रदेश के कई जिलों से बड़ी संख्या में टेक्नीशियन पहुंचे। इनका आरोप है कि डिप्टी CM ब्रजेश पाठक के कहने के बाद भी कंपनी उन्हें नौकरी पर वापस नहीं रख रही है। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। टेक्नीशियन ने कंपनी के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन कोई मिलने को तैयार नहीं हुआ। धरने की अगुवाई कर रहे शरद यादव ने दावा किया कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों से करीब 3 से 4 हजार टेक्नीशियन

लखनऊ पहुंचे हैं। उनका आरोप है कि कंपनी ने बिना कोई ठोस कारण बताए उन्हें नौकरी से निकाल दिया था। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शरद यादव ने कहा कि डिप्टी सीएम ने हमें आश्वासन दिया और कहा कि कंपनी से बात हो गई है, हमारे सामने कंपनी को फोन किया गया और कहा गया कि अब जॉइनिंग करो। लेकिन जब हम कंपनी के गेट पर आए तो कंपनी के लोग कहने लगे कि ऐसे मंत्री बहुत आते-जाते हैं। हम सरकार और मंत्री को पैसा देते हैं। हम लोग 2012 से लगातार उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा कर रहे हैं। दो-दो कोविड काल में अपनी जान हथेली पर रखकर प्रदेशवासियों की सेवा की। लेकिन इनाम क्या मिला? 2021 में हम लोगों को बेरोजगार कर दिया गया। करीब 9 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया।

शरद ने कहा कि आज कंपनी के लोगों ने गेट पर ताला और शटर डाल दिया और भाग गए। अगर वे गलत नहीं हैं, तो हमसे बात क्यों नहीं करते? वे इसलिए भाग रहे हैं, क्योंकि हमारे आरोप हैं कि यहां भ्रष्टाचार चरम पर है। कंपनी नए लोगों को भर्ती करती है और पुराने कर्मचारियों को निकाल देती है।

कंपनी के गार्ड भी कहते हैं कि मंत्री बहुत आते-जाते हैं। वे डिप्टी सीएम की बात भी नहीं मानते।

घर छोड़कर कैंप करने की तैयारी में प्रदर्शनकारी

प्रदर्शन कर रहे टेक्नीशियन ने कहा कुछ समय पहले डिप्टी CM ब्रजेश पाठक ने कंपनी के अधिकारियों से बातचीत कराकर नौकरी पर वापसी का भरोसा दिया था। इसके बावजूद कंपनी के अधिकारी उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अब टेक्नीशियनों के पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। कर्मचारी अपने घर छोड़कर लखनऊ आ गए हैं और यहीं कैंप कर रहे हैं। जब तक नौकरी वापस नहीं मिलती, तब तक लखनऊ नहीं छोड़ेंगे।

प्रदर्शन कर रहे टेक्नीशियन का आरोप है कि डिप्टी CM ब्रजेश पाठक के कहने के बाद भी कंपनी उन्हें नौकरी पर वापस नहीं रख रही है।

काकोरी में गैस गोदाम से 409 खाली सिलेंडर लूटे

22 हजार रुपए भी ले गए बदमाश, मजदूरों को पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। काकोरी थाना क्षेत्र के पुरैना गांव स्थित भारत गैस गोदाम से 409 खाली गैस सिलेंडर और मजदूरों की मजदूरी के 22 हजार रुपए की लूट का मामला सामने आया है। एजेंसी मालिक इस्लाम अहमद अब्बासी ने मोहम्मद यूसुफ समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की है। शिकायतकर्ता ने एक मजदूर को भी अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के मुताबिक, छह अक्टूबर 2026 को मोहम्मद यूसुफ चार अन्य लोगों के साथ कार से शाम करीब पांच बजे गैस गोदाम पहुंचा था। वहां मौजूद मजदूरों से पूछताछ करने के बाद

सभी लोग चले गए। आरोप है कि उसी रात करीब साढ़े आठ बजे पांचों लोग दोबारा गोदाम पहुंचे। उस समय मजदूर खाना बना रहे थे। आरोप है कि उन्होंने मजदूरों के साथ मारपीट की और उनका खाना फेंक दिया। इसके बाद गोदाम के गेट का ताला तोड़कर अंदर रखे 409 खाली सिलेंडर और मजदूरों की मजदूरी के 22 हजार रुपये लेकर फरार हो गए।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपितों ने मजदूरों को पीटकर गोदाम से भगा दिया और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

आरोप: लखनऊ में कहा- अधिकारी राजनीतिक कार्यकर्ता न बनें, वरना जेल जाएंगे

भाजपा बिना धांधली के चुनाव नहीं जीत सकती : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को लखनऊ के मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट पहुंचे। यहां उन्होंने मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से सपा के पूर्व प्रत्याशी सोनू कनौजिया के पिता स्वर्गीय रामगोपाल कनौजिया की तेरहवीं में शामिल होकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

इस मौक़े पर पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने भाजपा और सरकार पर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बिना किसी हेराफेरी और

धांधली के कोई चुनाव नहीं जीत सकती। शिक्षक-स्नातक निर्वाचन को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर शिक्षकों को डराने-धमकाने का दबाव बनाया जा रहा है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि वोटर लिस्ट सामान्य तौर पर किसी के पास नहीं है, लेकिन भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के पास इसकी जानकारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर यह डेटा उनके पास कैसे पहुंचा। अखिलेश ने कहा कि संभव है कि किसी कंपनी को डेटा के लिए हायर किया गया हो। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्रियों की आवाज में वोटरों को कॉल किए जा रहे हैं। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से ऐसे कॉल की रिकॉर्डिंग करने को कहा। उन्होंने अयोध्या और फैजाबाद के चुनावों की रिकॉर्डिंग होने का भी दावा किया। अखिलेश यादव ने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाने वाले देश के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंकों को नुकसान पहुंचाया गया और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं हुआ।

अधिकारी अधिकारी रहें, राजनीतिक कार्यकर्ता न बनें

अखिलेश यादव ने कहा कि डीआई-ओएस और बीएसए फोन के जरिए शिक्षकों को धमका रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से चुनाव में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की अपील की। कहा कि अधिकारी अधिकारी रहें और राजनीतिक कार्यकर्ता न बनें। अगर अधिकारी राजनीतिक भूमिका में आए तो सरकार बदलने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और जेल जाना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि पर्याप्त प्रमाण मिलने पर अधिकारियों को जेल भेजने के लिए यही आधार पर्याप्त होगा। शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा।

शिक्षक-स्नातक चुनाव में सपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील

अखिलेश यादव ने शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में सपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। स्नातक क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ से शशांक यादव, लखनऊ से कांति सिंह, इलाहाबाद-झांसी से डॉ. मान सिंह, वाराणसी-मिर्जापुर से आशुतोष सिन्हा और मेरठ-सहारनपुर से प्रमेन्द्र सिंह को प्रत्याशी बताया। शिक्षक क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ से डॉ. आकाश अग्रवाल, लखनऊ से सुशील पटेल, गोरखपुर-फैजाबाद से डॉ. संजयन त्रिपाठी, बरेली-मुरादाबाद से हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर, वाराणसी-मिर्जापुर से लाल बिहारी यादव और मेरठ-गाजियाबाद से नितिन तोमर के पक्ष में मतदान की अपील की।

पति से झगड़े के बाद पत्नी ने की खुदखुशी फंदे पर लटका शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में बुधवार को एक विवाहिता ने सुसाइड कल लिया। वह कमरे के अंदर पंखे से फंदे पर लटकी मिली। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिवार के लोगों ने दरवाजे के तोड़कर शव बाहर निकाला। मंगलवार को पति दशहरे के मेले में गया था। इसी बात को लेकर हुआ था। इसके बाद वह कमरे में चली गई थी।

दोनों के बीच काफी दिनों से नाराजगी चल रही थी। मामला बंथरा इलाके का है। जानकारी होने पर मायके पक्ष के लोग भी विवाहिता के ससुराल पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मॉर्चरी भेज दिया है। वहीं, परिवार के लोगों से पुलिस पुछताछ कर रही है।

उन्नाव जिले के हसनगंज थाना अंतर्गत फरहदपुर स्थिति अच्छे खेड़ा

परिवार के लोगों ने दरवाजे को धक्का मार कर खोला। स्मिता अपने कमरे के अंदर पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे मृत लटकी मिली।

अखौली निवासी स्मिता की शादी करीब डेढ़ साल पहले बंथरा के लोनहा गांव निवासी अतुल शर्मा से हुई थी। अतुल अमौसी की एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। मंगलवार शाम अतुल दशहरा मेला देखने गया और रात भर घर नहीं लौटा। उसने सुबह आने की बात पिता अशोक को फोन पर बताई थी।

बुधवार सुबह 9 बजे अतुल घर पहुंचा तो पति-पत्नी में विवाद हो गया। स्मिता नाराज थी कि अतुल ने रात में घर न लौटने की बात उसे नहीं बताई,जबकि अपने पिता को बताई। उनके परिवारों के बीच पहले से ही नाराजगी थी। विवाद के बाद अतुल ड्यूटी चला गया।

अंदर से दरवाजा बंद था

अतुल के घर वालों और स्मिता के बीच काफी दिनों से नाराजगी चल रही थी और एक दूसरे से बात नहीं करते थे, इस वजह से कुछ देर बाद दोपहर को अतुल की चाची स्मिता के लिए खाना लेकर कमरे में गईं। दरवाजा अंदर से बंद था और आवाज देने पर भी नहीं खुला। काफी प्रयास के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला और ना ही अंदर से कोई जवाब मिला तो अतुल के छोटे भाई सनी ने दरवाजे में धक्का मार कर किसी तरह उसकी अंदर से बंद कुंडी तोड़ी।

महिलाओं को घसीटकर वैन में डाला ■ यमुना प्राधिकरण घेरने जा रहे थे

किसानों को टांगकर ले गई नोएडा पुलिस

धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर । ग्रेटर नोएडा में बुधवार को किसान और पुलिस की भिड़ंत हो गई। धक्का-मुक्की के बीच पुलिस प्रदर्शन कर रहे महिलाओं-पुरुषों को टांग कर ले गई। किसान जमीन का सही मुआवजा देने की मांग को लेकर यमुना प्राधिकरण पर धरना देने जा रहे थे। पुलिस ने किसानों को प्राधिकरण से करीब 1 किमी पहले एफएनजी मॉल के सामने रोक लिया। कई किसानों को हिरासत में लिया गया है। इसके बाद पुलिस ने महिलाओं-पुरुषों को घसीटकर वैन में भर दिया। किसान नेता सुखबीर खलीफा और रुपेश वर्मा ने बताया कि हम लोग 10% विकसित प्लाट, 64% अतिरिक्त मुआवजे और आबादी से जुड़े मामलों को निपटाने की मांग कर रहे हैं। किसान संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ नेता सुखबीर खलीफा ने बताया कि मोर्चा 17 जुलाई से लगातार आंदोलन चला रहा है। इसके बाद 17 अगस्त और 9 से 16 सितंबर तक भी आंदोलन किया गया। इस दौरान किसानों ने गिरफ्तारियां दीं। तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ कई दौर की वार्ता भी हुई। इसके बावजूद 10% विकसित प्लॉट की मांग पर अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और किसान संघर्ष मोर्चा के नेता सोरन प्रधान ने बताया- पुलिस कमिश्नर और प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया था कि 5 अक्टूबर तक शासन स्तर पर 10% प्लॉट के मुद्दे पर वार्ता कराई जाएगी। लेकिन, तय समय बीतने के बाद भी वार्ता नहीं हुई। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ रही है।

प्राधिकरण पहुंचने से पहले ही किसानों को रोका

किसानों का कहना है कि उन्हें अब तक 10% विकसित प्लॉट और 64% अतिरिक्त मुआवजा नहीं मिला है। आबादी से जुड़े कई मामले भी लंबित हैं। इन मांगों को लेकर किसान लंबे समय से प्राधिकरण से समाधान की मांग कर रहे हैं। इसी के विरोध में बुधवार को धरना देने का ऐलान किया गया था। धरने में शामिल होने के लिए किसान जुट रहे थे। वे प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें उठाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। कई किसानों को हिरासत में भी लिया गया। हालांकि, कितने किसानों को हिरासत में लिया गया और उन्हें कहां ले जाया गया, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

■ यमुना प्राधिकरण से करीब 1 किमी पहले एफएनजी मॉल के सामने किसानों और पुलिस की भिड़ंत हो गई।

पुलिस बोली- शांति बनाए रखने के लिए किसानों को हटाया

नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में धारा 163 बीएनएसएस लागू है। इसके बावजूद 30-35 लोग बिना इजाजत धरना-प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए थे। पुलिस ने उन्हें शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए वहां से हटा दिया।

किसान नेता बोले- प्राधिकरण सुनवाई नहीं कर रहा

8 अक्टूबर को सेक्टर-144 में पेमे चौहान के आवास पर किसान संघर्ष मोर्चा की बैठक हुई थी। इसमें किसान संगठनों के नेताओं ने फैसला लिया था कि 10% विकसित प्लॉट समेत किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर 21 अक्टूबर से यमुना प्राधिकरण पर अ निश्चि त क ाल ीन महापड़ाव शुरू किया जाएगा। किसानों ने तय किया था कि मांगों का ठोस समाधान होने तक महापड़ाव जारी रहेगा।

कानपुर में मेले में फटा सिलेंडर बच्ची समेत 6 घायल

गुब्बारे बेचने वाले की हालत नाजुक

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में मंगलवार देर रात रावण दहन से पहले कार्बाइड सिलेंडर फटने से गुब्बारा वाले समेत 6 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में दो साल की बच्ची भी शामिल है।

हादसे के बाद मेला परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने सभी घायलों को आत्माराम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में गुब्बारा विक्रेता को हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसा नौबस्ता थाना क्षेत्र के धरीपुरवा की है।

जानकारी के मुताबिक, नौबस्ता के धरीपुरवा पार्क में श्रीबजरंग रामलीला कमेटी की ओर से रामलीला का आयोजन किया जा रहा था। मंगलवार को कमेटी की ओर से रावण दहन का आयोजन था। मेला परिसर में हजारों की संख्या में लोग शामिल होने के लिए आए थे। मेले परिसर के पास से गुजरी बसंत विहार से यशोदा नगर राजाराम चौक जाने वाली सीएम ग्रिड की सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रामू निर्माणाधीन डिवाइडर के अंदर कार्बाइड सिलेंडर रखकर गुब्बारे बेच रहा था। मंगलवार रात करीब 11:15 बजे मेले में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान तेज धमाके के साथ अचानक सिलेंडर फट गया। सिलेंडर की चपेट में आकर रामू उछलकर जमीन पर गिर पड़ा।

फास्ट न्यूज

सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे दो युवक बेहोश

किरावली । आगरा के किरावली स्थित जगन विहार कॉलोनी में बुधवार को सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दो युवक बेहोश हो गए। दोनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) किरावली में प्राथमिक उपचार देने के बाद एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर कर दिया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

कानपुर में 48 करोड़ की पार्किंग तैयार

कानपुर। कानपुर में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च करके तैयार की गई मल्टीलेवल पार्किंग 6 महीने से उद्घाटन का इंतजार कर रही है। वीआईपी रोड पर तहसील की जगह 47.83 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस पार्किंग का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन संचालन के लिए कंपनी तय नहीं होने के कारण इसे अब तक शुरू नहीं किया जा सका है।

बुधवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने पार्किंग का निरीक्षण किया। जल्द संचालन शुरू कराने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि पार्किंग के संचालन के लिए स्मार्ट सिटी की ओर से टेंडर जारी किया गया है।

विजयदशमी पर अस्पतालों में डॉक्टर गायब रहे

आगरा। विजयदशमी पर आगरा के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी नजर आईं। जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल में डॉक्टरों के समय पर नहीं मिलने से मरीजों को इलाज के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। वार्डों में भर्ती मरीज दर्द से परेशान रहे, लेकिन उन्हें देखने के लिए चिकित्सक समय पर नहीं पहुंचे।

बातचीत के लिए तैयार अधिवक्ता बिना वार्ता लौटे संवाद से ही निकलेगा समाधान : डीएम

कहा- कानून के आधार पर होगी कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर। बलरामपुर में धारा 34 से जुड़े प्रकरण को लेकर जिला प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच गतिरोध जारी है। बुधवार को अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे, लेकिन डीएम से बातचीत किए बिना लौट गए। डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन ने शाम 5:30 बजे संवाद की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन अधिवक्ताओं का पक्ष सुनने और नियमानुसार समाधान निकालने के लिए तैयार है।

डीएम के मुताबिक, बुधवार 21 अक्टूबर को अधिवक्ताओं के कलेक्ट्रेट पहुंचने की सूचना मिली तो वह अपने कक्ष से बाहर आए। वह उनकी समस्याएं और मांगें सुनना चाहते थे।

इसके बावजूद अधिवक्ताओं ने अपना पक्ष नहीं रखा और बिना बातचीत किए लौट गए। डीएम ने इसे खेदजनक बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण का समाधान आपसी संवाद और समन्वय से ही संभव है।

डीएम ने पूर्व की घटना पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि धारा 34 के संबंध में ज्ञापन देने के लिए अधिवक्ताओं के आने की कोई पूर्व सूचना उन्हें नहीं मिली थी। उस समय वह समेकित दिव्यांग विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के लिए निकल चुके थे। वहां दिव्यांग बच्चे दोपहर 12 बजे से उनका इंतजार कर रहे थे।

डीएम ने कहा कि प्रशासन की मंशा किसी भी पक्ष की अनदेखी करना नहीं है। धारा 34 से जुड़े मामले में बातचीत को लेकर प्रशासन की ओर से कोई बाधा नहीं है। अधिवक्ता जब भी वार्ता के लिए आएंगे, उनकी बात गंभीरता से सुनी जाएगी।

डीएम ने बताया कि 17 अक्टूबर को अधिवक्ताओं ने धारा 34 के मामले को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया था। उस समय वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत तुलसीपुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मौजूद थे। यहां आम लोगों की शिकायतें सुनना और उनका निस्तारण कराना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मां बोली- बेटी निर्दोष, उसे फंसाया गया, 1 साल पहले नौकरी करने हरियाणा गई थी

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग में सीतापुर की राधा का नाम

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर मुंबई में हुई फायरिंग के मामले में सीतापुर की युवती राधा का नाम सामने आया है। आरोप है राधा ने ही शूटरों तक पिस्टल और कारतूस की खेप ट्रेन से मुंबई तक पहुंचाई थी। जिसके लिए उसे 10 से 12 हजार दिए गए थे। राधा पकड़े गए शूटर कुणाल की गर्लफ्रेंड है। राधा का पुलिस को अब तक कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार, हरियाणा के सोनीपत निवासी कुणाल ने अमृतसर से एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। राधा और आजमगढ़ की बबीता के जरिए हथियार मुंबई पहुंचाया गया। पुलिस मामले में दोनों की भूमिका की जांच कर रही है। राधा की मां मैना देवी ने बताया- सोमवार शाम को उनकी बेटी से बात हुई थी। करीब एक साल पहले राधा अपने भाई के साथ काम की तलाश में हरियाणा गई थी। भाई वापस लौट आया, लेकिन राधा वहीं एक निजी कंपनी में नौकरी करने लगी। उसे हर महीने 13 से 14 हजार रुपए मिलते थे। वह अपनी कमाई से खर्च चलाने के साथ बेटे की परवरिश के लिए घर भी पैसे भेजती थी। मां के मुताबिक, राधा इसी साल अप्रैल में अपने भाई की शादी में शामिल होने गांव आई थी। उसने दीपावली पर दोबारा घर आने की बात कही थी। मैना देवी को बेटी की गिरफ्तारी की जानकारी मीडिया के लोगों के घर पहुंचने पर मिली। परिवार का कहना है कि राधा को पहले भी धमकियां मिल रही थीं।

टीम बुधवार दोपहर जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर राधा के गांव पहुंचीं। परिजनों से बात की। राधा की मां ने बेटी को निर्दोष बताया। कहा- उसे साजिश के तहत फंसाया गया है। वह तो हरियाणा में नौकरी कर अपना परिवार चला रही थी।

तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी है राधा

मिश्रिख क्षेत्र के करमसेपुर गांव की रहने वाली राधा के पिता प्रकाश गौशाला में काम करते हैं। राधा तीन भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ी है। उसकी शादी साल 2015 में नैमिषारण्य क्षेत्र के नहवईया गांव निवासी सुनील कुमार से हुई थी। राधा और सुनील का 7 साल का बेटा ऋतिक है। वह गांव के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ता है। राधा के पति सुनील का दावा है कि साल 2017 में राधा बच्चे को लेकर चली गई थी। इसके बाद दोनों के बीच दूरियां बढ़ गईं। बाद में सुनील ने दूसरी शादी कर ली।

जयमाल में पीटा, फिर अस्पताल ले जाते समय 20 लोगों ने गाड़ी घेरकर तोड़फोड़ की

बिजनौर में दूल्हे के भाई की सूजा घोंपकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर । बिजनौर में मंगलवार शाम करीब 6 बजे शादी समारोह में दूल्हे के भाई की सूजा घोंपकर हत्या कर दी गई। जयमाल के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया था। दूल्हे का भाई बीच-बचाव करने पहुंचा, तो आरोपियों ने उसे भी पीटना शुरू कर दिया। इसी दौरान उसकी नाक पर सूजे से वार कर दिया। परिवार वाले घायल युवक को अस्पताल ले जा रहे थे, तभी आरोपियों ने उनकी गाड़ी घेर ली। करीब 15-20 लोगों ने पथराव किया। लोहे की रॉड लेकर परिजनों के पीछे दौड़े। किसी तरह युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना कोतवाली इलाके की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दूल्हे के परिवार का एक युवक वॉशरूम जाने के लिए गया था। आरोप है कि वहां गांव का ई-रिक्शा चालक रवि और कुछ अन्य युवक शराब पी रहे थे। उन्होंने युवक को वहीं पकड़ लिया। इसकी जानकारी मिलने पर दूल्हे के ताऊ के बेटे अश्वनी उसे छुड़ाने पहुंचे। इस दौरान युवकों ने उन्हें भी पकड़ लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। झगड़े के दौरान हमलावरों ने बर्फ तोड़ने वाले सूजे से अश्वनी की नाक पर वार कर दिया। इससे अश्वनी मुंह के बल गिर पड़े। इसके बाद उन्हें गाड़ी से अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, तो हमलावरों ने वाहन को घेरकर पथराव शुरू कर दिया। करीब 15 से 20 युवक फावड़े और लोहे की रॉड लेकर गाड़ी पर हमला करने लगे। किसी तरह परिजन और बाराती अश्वनी को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

■ युवक की हत्या के बाद लोगों ने एक आरोपी को पकड़ लिया।

जयमाल के दौरान हुआ झगड़ा

मखवाड़ा गांव के रहने वाले अश्वनी (32) एक फाइनेंस कंपनी में काम करते थे। उनके पिता अशोक कुमार पश्चिम बंगाल में ITBP में दरोगा हैं। अश्वनी के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटी है। उनका छोटा भाई ड्राइवर है। अश्वनी अपने ताऊ गजराज के बेटे आकाश की बारात लेकर मखवाड़ा गांव से बकली गांव पहुंचे थे। बारात का स्वागत हीरा बैंक्वेट हॉल में किया गया। सभी रस्में पूरी होने के बाद जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर झगड़ा शुरू हो गया।

एसपी सिटी डॉ कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया सूजे से हमलाकर युवक की हत्या की गई है। परिजन युवक को जिला अस्पताल ले गए। यहां उसकी मौत हो गई। परिवार वालों से मिली शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है।

झांसी में थाने के अंदर किन्नर ने फिनाइल पिया

मां बोली- बेटे का लिंग-परिवर्तन कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में बुधवार दोपहर एक किन्नर ने थाने के अंदर फिनाइल पी लिया। उसका अपने गुरु से एरिया बंटवारे को लेकर झगड़ा चल रहा था। किन्नर का कहना है- गुरु एरिया नहीं दे रही थी। जब बुधवार को मैं अपने 3 साथियों के साथ बधाई मांगने पहुंचा, तो गुरु अपने साथी किन्नरों को लेकर पहुंच गया। उन लोगों ने मुझे और मेरे साथी किन्नरों को मारा-पीटा। फिर मुझे गाड़ी में डालकर थाने ले गए।

थाने पर पहुंचते ही दोनों पक्षों ने जमकर हंगामा हुआ। पुलिस ने जैसे ही अभिषेक उर्फ अंशिका किन्नर (20) को पकड़ा, उसने फिनाइल पी लिया। इसके बाद पुलिस अपनी गाड़ी से अंशिका को जिला अस्पताल ले गई। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अस्पताल जाते समय पुलिस गाड़ी में अंशिका ने एक वीडियो बनाकर जारी किया। जिसमें वो आरोप लगाते हुए कह रही है- मुझे बबली नायक ने मारा-पीटा और फिनाइल पीने के लिए मजबूर किया। पुलिस प्रशासन ने मेरी कोई मदद नहीं की।

वहीं, किन्नर अभिषेक उर्फ अंशिका की मां ने कहा- किन्नरों ने मेरे बेटे का लिंग परिवर्तन कराया। उसकी जिंदगी खराब कर दी है। मामला नवाबाद थाना क्षेत्र का है।

प्रेमनगर के महावीरन कॉलोनी निवासी ममता देवी ने बताया- मेरे दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अभिषेक वंशकार (20) पढ़ता था।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में अपराधियों ...

4 अगस्त को तड़के करीब 3 बजे ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते धधकती लपटों और जहरीले धुएं के गुबार ने इलेक्ट्रॉनिक पीसीबी चिप मैन्युफैक्चरिंग की पूरी इमारत को चपेट में ले लिया। सायरन बचाते हुए एक दमकल गाड़ी वहां पहुंची। आग बचाने के लिए पहुंची टीम में तीर्थपाल सिंह और रोहित यादव भी शामिल थे।

सबसे बड़ी चुनौती फैक्ट्री के अंदर रसायन और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान होने के कारण भड़कती आग पर काबू पाना था। धुएं के घने गुबार के बीच दिखाई देना लगभग नामुमकिन था। लेकिन, बिना अपनी जान की परवाह किए दमकलकर्मियों की टीम पाइप लेकर अंदर दाखिल हुई। सबसे आगे थे तीर्थपाल सिंह और रोहित यादव। रोहित यादव वॉटर होज थामे सबसे आगे रहकर आग की सीधी लपटों पर पानी की बौछार कर रहे थे। तीर्थपाल सिंह पानी का दबाव और सप्लाई बनाए हुए थे।

काफी मशक्कत के बाद जब टीम आग को काबू में करने के बेहद करीब थी, तभी अत्यधिक तापमान और भीषण गर्मी से कंपनी की पक्की दीवार और भारी लोहे का गार्डर कमजोर होकर भरभराकर नीचे आ गिरा। अचानक दीवार और लोहे का बीम गिरते ही तीर्थपाल सिंह, रोहित यादव समेत 5 जवान मलबे में दब गए। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई और धुएं का गुबार छा गया।

दावा : सीएम मान ...

उन्होंने X पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि अधिकारियों ने शुरू में सामान आने या जांच में देरी का हवाला दिया। जब मुख्यमंत्री मान का सामान उनकी गाड़ी में लोड होने वाला था और वे जाने वाले थे, तभी अधिकारियों ने यह कहते हुए चालान जारी कर दिया कि वे ऊपर से भारी दबाव में हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, "उनसे पूछिए कि जुर्माना किस बात पर लगाया गया। मेरी जानकारी के मुताबिक, मैं आपको पहले भी बता चुका हूं कि एक यात्री दो बोतलें ला सकता है, लेकिन वे 8 से 10 बोतलें लेकर आए थे। इसलिए उन पर जुर्माना लगाया गया। कानून हर व्यक्ति के लिए समान है, चाहे वह मुख्यमंत्री ही क्यों न हो।" AAP नेता बलतेज पन्नू ने केंद्र सरकार पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ावा देने के लिए पेरिस में आयोजित SIAL फूड ट्रेड एग्जिबिशन में शामिल हुए थे। पन्नू के मुताबिक, हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद पेरिस में भारतीय काउंसल जनरल मान से मिलने नहीं आए।

टाइगर पर फायरिंग ...

रेहान की मां शमशीदा ने बातचीत में कहा कि इस केस का मास्टरमाइंड हरियाणा में छिपा है। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में आगे जानकारी नहीं दी।

जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुणाल जुलाई में सोनीपत जेल से बाहर आया था। इसके बाद एक दोस्त ने उसकी मुलाकात लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित से कराई। दोनों एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए बातचीत करने लगे।

पुलिस को शक है कि अनिल विदेश में रहकर अपने नेटवर्क के लोगों को निर्देश दे रहा था। करीब दो हफ्ते पहले अनिल ने कुणाल को अमृतसर से हथियार जुटाकर मुंबई पहुंचाने की जिम्मेदारी दी। कुणाल ने इस काम में सुमित को साथ लिया। सूत्रों के मुताबिक, कुणाल और सुमित अमृतसर पहुंचे। वहां एक तय जगह पर एक पिस्टल और 20 कारतूस रखे थे, जहां से उन्होंने उसे कलेक्ट किया। लेकिन हथियार किसने रखे, यह कुणाल और सुमित को नहीं बताया गया। इस तरीके को 'डेड लेटर बॉक्स' कहा जाता है। इसमें सामान किसी तय जगह पर छोड़ दिया जाता है, जहां से दूसरा व्यक्ति उसे उठा लेता है। इस तरह दोनों को सीधे मिलने की जरूरत नहीं होती और पहचान का भी खुलासा नहीं होता।

सूत्रों का कहना है कि कुणाल और सुमित को हथियार लाने के लिए अनिल पंडित ने 70 से 80 हजार रुपए दिए थे। इसमें से करीब 10 से 12 हजार रुपए राधा और बबीता को दिए गए।

सेंगोल बनाने वाले ...

तत्कालीन मठ प्रमुख ने राजदंड का डिजाइन और उसमें इस्तेमाल होने वाले धार्मिक प्रतीकों की जानकारी दी थी।

इस काम में वुम्मिडी एथिराज और वुम्मिडी सुधाकर की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उस समय एथिराज की उम्र करीब 22 साल थी। सरकारी विवरण के मुताबिक, लगभग 10 कारीगरों ने 10 से 15 दिनों में सेंगोल तैयार किया था। यह करीब 5 फीट लंबा था और सोने की परत चढ़ी चांदी से बनाया गया था।

सेंगोल के ऊपर नंदी की आकृति बनाई गई, जिसे न्याय और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। इसमें देवी लक्ष्मी और अनाज की बालियों जैसे प्रतीक भी उकेरे गए थे। सरकार के 2023 के विवरण के अनुसार, आजादी के समय सी. राजगोपालाचारी की पहल पर तमिल मठ से सेंगोल तैयार करवाया गया था। मठ के प्रतिनिधि इसे लेकर दिल्ली पहुंचे।

सीजेपी नेता सौरव...

कोर्ट ने कहा कि जब मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देने के लिए रिवीजन पिटीशन का विकल्प है, तो सीधे अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट आने की जरूरत क्यों पड़ी?

जब किसी आदेश को चुनौती देने के लिए कानून में अलग रास्ता है तो पहले उस रास्ते का इस्तेमाल करना चाहिए।

इसलिए कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से मौजूदा याचिका वापस लेकर रिवीजन पिटीशन लगाने को कहा। इसके बाद सौरव दास और आशुतोष रांका ने अपनी याचिकाएं वापस ले लीं। दिल्ली हाईकोर्ट ने AISA अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका पर 22 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। नेहा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें शांति बनाए रखने के लिए बॉन्ड भरने को कहा गया है। नेहा ने कोर्ट से नोटिस रद्द करने और पुलिस को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देने की मांग की है। उनके वकील के अनुरोध पर जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने सुनवाई टाल दी।

'चुनाव में धांधली ...

उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और इस तरह की कॉल रिकॉर्ड करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी के पास अयोध्या और फैजाबाद के चुनावों से संबंधित रिकॉर्डिंग भी मौजूद है।

अखिलेश यादव ने शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। उन्होंने स्नातक क्षेत्र के लिए आगरा-अलीगढ़ से शशांक यादव, लखनऊ से कांति सिंह, इलाहाबाद-झांसी से डॉ. मान सिंह, वाराणसी-मिर्जापुर से आशुतोष सिन्हा और मेरठ-सहारनपुर से प्रमेन्द्र सिंह को पार्टी का प्रत्याशी बताया।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से आगरा-अलीगढ़ में डॉ. आकाश अग्रवाल, लखनऊ में सुशील पटेल, गोरखपुर-फैजाबाद में डॉ. संजयन त्रिपाठी, बरेली-मुरादाबाद में हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर, वाराणसी-मिर्जापुर में लाल बिहारी यादव और मेरठ-गाजियाबाद में नितिन तोमर को उम्मीदवार बताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन सभी प्रत्याशियों की मदद करने और उन्हें जिताने के लिए जुटने की अपील की।

'महिला आरक्षण ...

ज्ञानेश कुमार की तरह मध्यस्थ की तरह उनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

खड़गे ने EVM की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने और मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव होना जरूरी है। संविधान यह तय नहीं करता कि कांग्रेस या किसी दूसरी पार्टी को ही जीतना चाहिए। कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है। खड़गे ने कहा कि सरकार ने अप्रैल 2026 में परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक कम समय में और विपक्ष की सहमति के बिना लाने की कोशिश की।

वनडे वर्ल्डकप के लिए फिटनेस-फॉर्म सबसे अहम, गिल को सीनियर्स से मदद मिलेगी

रोहित और विराट का चयन उम्र देखकर नहीं : मिथुन मन्हास

बयान

- वर्ल्ड कप के समय कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र
- लॉर्ड्स में शतक से लौटा रोहित का फॉर्म
- गिल की कप्तानी में सीनियर्स की भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

BCCI प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। मन्हास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले स्पोर्टस्टार को इंटरव्यू दिया। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते दिखेंगे। रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे। जबकि, विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान 38 साल के होंगे।

पूर्व क्रिकेटर्स और फैंस ने भारत के ट्रांजिशन प्लांस पर सवाल उठाए हैं। यह भी चर्चा है कि आने वाले वर्षों में दोनों सीनियर खिलाड़ियों की क्या भूमिका होगी।

रोहित शर्मा की खराब वनडे फॉर्म के बीच उनके संन्यास की काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, लॉर्ड्स में लगाए गए उनके शतक से ये चिंताएं कुछ हद तक दूर हुईं।

विराट ने वनडे में अपनी भूमिका का अच्छा फायदा उठाया है। इस फॉर्मेट में उन्होंने ब्रैडमैन जैसा औसत रखते हुए लगातार रन बनाए हैं।

मिथुन मन्हास ने यह भी बताया कि रोहित और विराट की मौजूदगी से शुभमन गिल को कप्तानी में मदद मिल सकती है। उन्होंने विराट के एमएस धोनी के मार्गदर्शन में सीखने और धोनी के सौरव गांगुली से मार्गदर्शन लेने का उदाहरण दिया।

विराट कोहली और रोहित शर्मा की यह फोटो 3 अक्टूबर की है। मुल्लांपुर स्टेडियम में खेले गए इस मैच को वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से जीता था।

मनहास ने कहा, 'शुभमन पिछले दो या तीन साल से गुजरात टाइटन्स के कप्तान हैं। वे भारत की कप्तानी भी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वर्ल्ड कप अभियान में यह अनुभव उनके काम आएगा।'

मन्हास ने कहा- दोनों बैटर्स को लगातार रन बनाने होंगे

मिथुन मनहास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है। तो उसका चयन होना चाहिए।' रोहित-विराट वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के टॉप-3 स्कोरर में शामिल हैं।

रणजी ट्रॉफी- जलज सक्सेना के 5 विकेट से केरल जीता

मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाबाद 139 रन

नई दिल्ली, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी में केरल ने ओडिशा को पारी और 36 रन से हराया। केरल ने पहली पारी में 404 रन बनाए थे, जिसके जवाब में ओडिशा की टीम पहली पारी में 225 और दूसरी पारी में 143 रन पर सिमट गई। जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 139 रन की नाबाद पारी खेली।

हैदराबाद के बाएं हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 21 रन देकर 4 विकेट लिए और मैच में कुल 9 लिए।

हैदराबाद ने पहली पारी में बढ़त बनाने के बाद दूसरी पारी में 53 रन की नाबाद पारी खेलने वाले तनय के प्रदर्शन के दम पर अपनी स्थिति मजबूत की। आंध्र प्रदेश ने 6 विकेट पर 88 रन बनाए हैं और उसे अभी 310 रन की जरूरत है।

दिल्ली के खिलाफ गुजरात ने 6 विकेट पर 407 रन बना लिए हैं। टीम अभी भी 241 रन पीछे है। चिंतन गाजा 62 रन बनाकर क्रीज पर हैं, जबकि विशाल जयसवाल उनका साथ दे रहे हैं।

महाराष्ट्र के खिलाफ झारखंड के ओपनर शिखर मोहन ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी है। वह 79 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरे विकेट के लिए उत्कर्ष सिंह के साथ उनकी 115 रन की साझेदारी हो चुकी है। झारखंड ने 1 विकेट पर 144 रन बना लिए हैं और टीम अभी महाराष्ट्र से 214 रन पीछे है।

न्यूजीलैंड से जीत को कभी तरसता था भारत पहली जीत में 10 साल लगे

नई दिल्ली, एजेंसी

2007 में भारत ने पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टूर्नामेंट में टीम को सिर्फ एक हार मिली और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ थी। इसके बाद भी भारत को इस टीम के खिलाफ पहली जीत हासिल करने में 10 साल लग गए।

अब तस्वीर बदल चुकी है। भारत 2020 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार पांच द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत चुका है। इनमें तीन सीरीज भारत में और दो न्यूजीलैंड में खेली गईं। अब 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की सीरीज शुरू होगी। भारत-न्यूजीलैंड मुकाबलों में कब किसका पलड़ा भारी रहा आगे 5 पॉइंट में जानते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मुकाबला 2007 में जोहान्सबर्ग में हुआ था। भारत को इसमें 10 रन से हार मिली। 2009 के न्यूजीलैंड दौरे पर भी टीम इंडिया

अब लगातार छठी टी-20 सीरीज जीतने का मौका

दोनों मैच गंवा बैठी। 2012 में चेन्नई में जीत करीब आई, लेकिन भारतीय टीम एक रन से चूक गई। 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप में नागपुर में घरेलू मैदान पर खेलते हुए भी भारत 47 रन से हार गया।

पहले 9 साल में भारत-न्यूजीलैंड के बीच सिर्फ 6 टी-20 मैच हुए। लगातार नाकामियों के बाद भारत ने 1 नवंबर 2017 को दिल्ली में पहली बार न्यूजीलैंड को हराया। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने 80-80 रन की पारियां खेलीं, जिससे मेजबान टीम ने 20 ओवर में 202/3 का स्कोर बनाया। जवाब में कीवी टीम 149/8 तक ही पहुंच सकी। भारत ने 53 रन से मुकाबला जीत लिया। भारत की तस्वीर 2020 में बदली। न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने सभी मुकाबले जीते। इनमें दो मैच निर्धारित 20 ओवरों के बाद टाई हुए थे, लेकिन दोनों बार भारत ने सुपर ओवर में जीत दर्ज की। सुपर ओवर वह अतिरिक्त ओवर होता है, जिसमें टाई मैच का फैसला करने के लिए दोनों टीमों को एक-एक ओवर खेलने का मौका मिलता है। इसके बाद 2021 में न्यूजीलैंड भारत दौरे पर आया। भारतीय टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की। 2022-23 में भारत ने न्यूजीलैंड में फिर सीरीज जीती।

ड्रेसिंग रूम में खुश रहें, अभिषेक-सैमसन लगातार रन बना रहे, दोनों ने वर्ल्डकप जिताया

वैभव को अभी प्लेइंग-11 में जगह नहीं : भारतीय कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को क्राइस्टचर्च में कहा- 'वैभव सूर्यवंशी अभी सीधे टीम में आ सकते हैं, ऐसा नहीं है। हमारे ओपनर लगातार रन बना रहे हैं और उन्होंने वर्ल्ड कप जीता है।'

31 साल के अय्यर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से पहले कहा- 'वैभव को आगे मौके मिलेंगे। विदेशों में खेलने का अनुभव उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा।' उन्होंने फोटोशूट के बाद पत्रकारों से बातचीत की।

भारतीय T20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को ड्रेसिंग रूम में खुश रहना चाहिए। वैभव बहुत युवा हैं और उनके पास मौके पाने के लिए कई साल हैं।

इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए चुने जाने के बाद से वैभव ने आठ टी-20 मैच खेले हैं। उन्होंने 2 फिफ्टी के सहारे 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए। इस दौरान रेगुलर ओपनर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं।

> पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।'

वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैच की टी-20 सीरीज में एक भी मौका नहीं मिला। इस दौरान वैभव ने 2 स्टेटस लगाए थे। पिछले महीने हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि खिलाड़ी की उम्र 15 हो या 30 साल, अगर उसे मौके का इंतजार करना है तो इंतजार करना होगा। वैभव सूर्यवंशी ने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में भारत ने 19 रन की जीत हासिल करके गोल्ड मेडल जीता था। वैभव टी-20 क्रिकेट में 4 शतक लगा चुके हैं।

'वैभव का अनुभव भविष्य में काम आएगा'

श्रेयस अय्यर का मानना है कि विदेशी परिस्थितियों में वैभव का अनुभव भविष्य की सीरीज के लिए उनकी तैयारी बेहतर करेगा।

अय्यर ने कहा, 'जब वे विदेशों में खेलेंगे तो उन्हें इन खास पिचों पर बल्लेबाजी करने का अच्छा अंदाजा मिलेगा।'

उन्होंने कहा, 'अगली बार जब वे इन परिस्थितियों में आएंगे तो वे पूरी तरह तैयार होंगे। वे पहली बार यहां आने वाले टीम के दूसरे खिलाड़ियों को भी सलाह दे सकेंगे।'

मनोरंजन

क्लोदिंग स्टोर वर्कर से बनीं ग्लोबल स्टार, बॉयफ्रेंड ने सेक्स टेप रिलीज किया, गन पॉइंट पर बंदी बनाई गईं, 17100 करोड़ है संपत्ति

46 साल की हुई किम कार्दशियन

नई दिल्ली। ग्लोबल मीडिया पर्सनैलिटी किम कार्दशियन आज 46 साल की हो चुकी हैं। आज 17 हजार करोड़ की संपत्ति की मालकिन किम कार्दशियन कुछ सालों पहले तक आम जिंदगी जीती थीं। एक क्लोदिंग स्टोर में नौकरी करती थीं, लेकिन फिर पैरिस हिल्टन जैसे नामी लोगों से दोस्ती ने उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

साल 2007 में एक सेक्स टेप आया, जिसे कथित तौर पर किम ने खुद बेचा था। इस टेप से कई विवाद हुए। कभी कहा गया कि ये टेप उनके बॉयफ्रेंड रे जे. ने नशे में बनाया और बिना उनकी अनुमति बेचा। यह भी कहा गया कि किम ने जानबूझकर इसे सार्वजनिक किया। चाहे ये पब्लिसिटी स्टंट हो या धोखा, किम ने रातोंरात पहचान बना ली और फिर हर वो काम किया, जो लोगों का ध्यान खींच सकता था। कभी उन्होंने खुद पर वीडियो गेम बनाया, कभी परफ्यूम बनाया, तो कभी सौतेली बहनों और परिवार के साथ जिंदगी पर रियलिटी शो बना दिया। समय के साथ किम ने पॉपुलैरिटी हासिल की और आज दुनिया की सबसे रईस सेलिब्रिटीज में शामिल हैं। लग्जरी जिंदगी की शौकीन कार्दशियन ने एक प्राइवेट जेट भी खरीदा है, जिसे वो किम एयर कहती हैं। 1300 करोड़ के इस जेट से एक बार किम महज 1300 रुपए का चीजकेक खाने पेरिस गई थीं। 21 अक्टूबर 1980 को किम कार्दशियन का जन्म लॉस एंजिलिस में मशहूर वकील रॉबर्ट कार्दशियन और बिजनेसमैन क्रिस कार्दशियन के घर हुआ। किम से बड़ी बहन कोर्टनी हैं, जिनके बाद छोटी बहन क्लो और भाई रॉब।

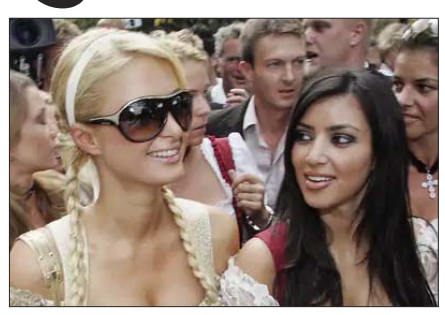

> किम ने लॉस एंजिलिस के मैरीमाउंट हाईस्कूल से पढ़ाई की। टीनएज में किम की दोस्ती पेरिस हिल्टन से हुई। पेरिस हिल्टन, हिल्टन होटल के फाउंडर कोनार्ड हिल्टन की पोती हैं। बढ़ती उम्र के साथ पेरिस हिल्टन, सेलिब्रिटी बन गईं। उनके साथ पार्टी और इवेंट में जाते हुए किम कार्दशियन का परिचय फेम से हुआ।

किम कार्दशियन के बचपन की तस्वीर।

कार एक्सीडेंट के बाद पिता के कहने पर की कपड़ों की दुकान में नौकरी

किम 16 साल की थीं, जब उनका कार एक्सीडेंट हुआ। कार दुर्घटनाग्रस्त हुई, तो पिता ने इस शर्त पर दूसरी कार दिलाई कि उन्हें इसका खर्चा खुद निकालना होगा। पिता की इस शर्त के अनुसार, किम ने महज 16 साल की उम्र में लॉस एंजिलिस की बॉडी नाम की कपड़ों की दुकान में 4 सालों तक काम किया।

'जेलर 2' ने 6 दिनों में कमाए 500 करोड़ रुपए

2026 की तीसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म बनी

नई दिल्ली। रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' ने रिलीज के 6 दिनों में दुनिया भर में 500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है।

नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2026 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसके आगे 'धुरंधर 2' और 'दृश्यम 3' हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने छठे दिन भारत में 45.55 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। इस दिन तमिल वर्जन से 32.10 करोड़, तेलुगु से 8.85 करोड़, हिंदी से 5.25 करोड़ और कन्नड़ वर्जन से 60 लाख रुपए की कमाई हुई।

इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 289.05 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 338.45 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, विदेशों में छठे दिन फिल्म ने 10 करोड़ रुपए कमाए। इससे इसका कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 204 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 542 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

'जेलर 2' और 'दृश्यम 3' के बीच का अंतर अब कम रह गया है। रजनीकांत की यह फिल्म बुधवार को 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में दूसरे नंबर पर पहुंच सकती है।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' 556.22 करोड़ रुपए की दुनियाभर की कमाई के साथ दूसरे नंबर पर है।

वहीं, नंबर 1 पर रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' 1,813.39 करोड़ रुपए की दुनियाभर की कमाई के साथ पहले नंबर पर है। रजनीकांत ने दुनियाभर में 500 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई करने वाली अब 4 फिल्में दे दी हैं।

घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई, अक्षय के घर पर बुलेटप्रूफ ग्लास लगाने का काम शुरू

टाइगर फायरिंग केस में सलमान भी थे टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद मंगलवार को सलमान खान को मुंबई के एक प्राइवेट एयरपोर्ट पर देखा गया। उनके साथ भारी सुरक्षा थी। उनकी सिक्योरिटी में स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट के हथियारबंद जवान थे।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर पर हुई फायरिंग की घटना के बाद सलमान खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। वहीं, अक्षय कुमार के घर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके आवास पर बुलेटप्रूफ ग्लास शील्ड लगाने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

हालांकि, इस मामले को लेकर संबंधित सेलेब्स या उनकी टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

गौरतलब है कि टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग से जुड़े लोगों ने ली थी। फायरिंग के बाद लॉरेंस गैंग से होने का दावा करने वाले अनिल पंडित ने एक ऑडियो में सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी। उसने कहा, 'जो भी पूरी फिल्म इंडस्ट्री में हमसे अलग होकर काम करेगा या सलमान के साथ मिलकर काम करेगा, उसको हम मार देंगे। ये पहली और आखिरी चेतावनी है। सलमान खान एक बात ध्यान से सुन लें, तुम्हारे पूरे परिवार का नाश कर देंगे। ये बात माइंड में बिठा लेना। जो तुम ये सोचते हो ना कि तुम सिक्योरिटी में हो, तुम्हें कुछ नहीं होगा, तुम्हारा वो हाल करेंगे कि पूरी दुनिया याद रखेगी।'

सलमान खान गहरे नेवी ब्लू रंग की फुल-स्लीव बटन-डाउन शर्ट में नजर आए। उन्होंने शर्ट की आस्तीनें मोड़ रखी थीं।

टाइगर से पहले सलमान खान की रेकी हुई

टाइगर पर फायरिंग करने वाले आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पहले अमिताभ बच्चन, सलमान खान, आमिर खान और अक्षय कुमार की रेकी की थी, लेकिन सिक्योरिटी ज्यादा होने के कारण प्लान बदल दिया था।

आरोपियों के साथ एक चौथा युवक भी था, लेकिन वह हमले से एक रात पहले सिगरेट पीने के बहाने होटल से भाग गया। वहीं, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में मंगलवार को चार और लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने शूटरों को हथियार सप्लाई किए थे।

मंत्री ने कहा था- कभी अकेले नहीं मिला ■ कांग्रेस का सवाल- फिर तस्वारें कहां से आईं

यौन अपराधी एपस्टीन और मंत्री हरदीप पुरी की फोटो वायरल

चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कई तस्वीरें वायरल हैं। ये तस्वीरे इसलिए अहम मानी जा रही हैं, क्योंकि पुरी लगातार कहते रहे हैं वे एपस्टीन से केवल प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले, अलग से कभी मुलाकात नहीं हुई।

तस्वीरें सामने आने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- जब पुरी ने कहा था कि वे एपस्टीन से कभी अकेले नहीं मिले, तो इन तस्वीरों के क्या मायने हैं? इन तस्वीरों को जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ जारी जारी दस्तावेजों के नौवें सेट में रखा गया था। इस सेट में कम से कम 11 तस्वीरें हैं। मंगलवार को यह तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा में आई।

■ अमेरिकी यौन अपराधी एपस्टीन और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की तस्वीरें अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मौजूद हैं।

इन तस्वीरों में दोनों लगभग एक ही स्थिति में बैठे दिखाई देते हैं। तस्वीरों के कोण में मामूली अंतर है।

करोड़पति फाइनेंसर था यौन अपराधी एपस्टीन

जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी।

उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया।

उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली।

उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा- पुरी कहते थे कि वे एपस्टीन से तीन-चार बार डेलिगेशन के साथ मिले थे, दोनों तस्वीरों में बाकी सदस्य कहां थे।

नवंबर 2025 में पहली बार सामने आया नाम

हरदीप सिंह पुरी और जेफ्री एपस्टीन के संपर्क का मामला पहली बार नवंबर 2025 में सार्वजनिक चर्चा में आया था। उस समय हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की निगरानी समिति की ओर से जारी एक ईमेल में एपस्टीन और पुरी के बीच की बातचीत का जिक्र हुआ था।

इसके बाद अमेरिकी न्याय विभाग (DoJ) ने 30 जनवरी को एपस्टीन से जुड़े लाखों पन्नों के दस्तावेज जारी किए थे। इनमें जून 2014 से जून 2017 के बीच के ईमेल शामिल हैं।

राहुल गांधी के आरोपों को खारिज किया था

इस साल फरवरी में हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से एपस्टीन फाइलों को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया था। पुरी ने बताया था कि वह संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत का पद छोड़ने के बाद और 2017 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से पहले एपस्टीन से मिले थे। उन्होंने इन मुलाकातों को पूरी तरह पेशेवर बताया था और कहा था कि उनका एपस्टीन के खिलाफ लगे आपराधिक आरोपों से कोई संबंध नहीं था।

पुरी ने फरवरी में एक इंटरव्यू में कहा था कि वह इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूशन (IPI) से जुड़े एक डेलिगेशन के रूप में गए थे। उसी दौरान एपस्टीन से मिले। वे सार्वजनिक जीवन में कई तरह के लोगों से मिलते हैं, जिनमें से कुछ का आपराधिक रिकॉर्ड भी हो सकता है। पुरी के मुताबिक IPI में उनके बॉस टेर्जे रोड-लार्सन एपस्टीन को जानते थे।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ एक घंटे में पूरा भरा

मुंबई, एजेंसी

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड का देश का सबसे बड़ा IPO आज, 21 अक्टूबर को पहले ही दिन सिर्फ 1 घंटे में पूरा सब्सक्राइब हो गया है। एक शेयर की कीमत यानी प्राइस बैंड 1,065 से 1,119 है।

शेयर लेने के लिए आम निवेशक को कम से कम 13,428 लगाने होंगे। मैक्सिमम 14 लॉट यानी 168 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए 1.87 लाख रुपए लगेंगे। ग्रे मार्केट के हिसाब से लिस्टिंग पर 22% रिटर्न मिल सकता है। यह IPO 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

इस IPO में कंपनी 27 करोड़ शेयर जारी कर रही है। इसके जरिए 30,188 करोड़ रुपए जुटाएगी। लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप 10.30 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है।

यह आईपीओ ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। इसमें कुल 19,75,25,934 शेयर्स के मुकाबले निवेशकों से 32,41,00,728 शेयर्स के लिए आवेदन मिले हैं। इस सब्सक्रिप्शन को मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों ने अपने कोटे से 4.86 गुना ज्यादा बोली लगाई है। बाकी कैटेगरी में अभी भी कोटे से कम आवेदन आए हैं। लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 22.52% यानी 252 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है।

■ बड़े निवेशकों ने 8 गुना और आम लोगों ने 0.65 गुना सब्सक्राइब किया 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा

फास्ट न्यूज

भारत में त्यौहारों के बावजूद स्मार्टफोन की बिक्री 26% घटी

नई दिल्ली । फेस्टिव सीजन के बावजूद भारत में पिछले 3 महीने में नए स्मार्टफोन की बिक्री 26% घट गई है। मार्केट रिसर्च फर्म 'Omdia' के मुताबिक, जुलाई से सितंबर के बीच देशभर में कुल 3.58 करोड़ फोन ही बिके। साल 2016 के बाद यानी पिछले 10 साल में यह किसी भी तिमाही का सबसे कम है। स्मार्टफोन के लगातार बढ़ते दाम और लोगों का पुराने फोन को ही लंबे समय तक इस्तेमाल करना इसकी सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।

एसबीआई के 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के करीब 4,000 ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। बैंक ने डेटा लीक की जांच भी शुरू कर दी है। SBI ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। बैंक ने बताया कि डार्क वेब पर लीक डेटा में से 3,897 कस्टमर रिकॉर्ड्स में पर्सनली आइडेंटिफिएबल इनफॉर्मेशन (PII) पाई गई है। PII यानी नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता, आधार या बैंक CIF नंबर जैसी डिटेल्स हैं।

अमेरिका में 50 साल बाद नई रिफाइनरी बनेगी

लंदन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो आज, 21 अक्टूबर को जामनगर पहुंचे हैं। वे यहां दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स का दौरा करेंगे। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलेंगे। रूबियो रिलायंस के साथ वेनेजुएला का कच्चा तेल रिफाइन करने पर बातचीत करेंगे।

भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री का पाकिस्तान पर बयान

कहा- वह परमाणु ताकत, उससे बातचीत जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं और उसकी भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि उससे बातचीत जरूरी है।

नेटवर्क18 को दिए एक इंटरव्यू में रूबियो ने कहा कि अमेरिका को उन देशों के साथ भी राजनयिक संबंध बनाए रखने पड़ते हैं, जिनसे उसके मतभेद हैं। रूबियो ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत भी ईरान के साथ संबंध रखता है और वहां के नेताओं से मुलाकात करता है। विदेश नीति में अलग-अलग देशों के साथ रिश्तों का संतुलन बनाए रखना मुश्किल है, लेकिन ऐसा करना जरूरी है। रूबियो ने कहा कि अमेरिका दुनिया में कहीं भी आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के पाकिस्तान से संबंध हैं और दोनों देश आपस में बात कर सकते हैं, तो इससे भारत की चिंताओं वाली गतिविधियों को रोकने में मदद मिल सकती है। रूबियो ने ईरान की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसके साथ समझौता करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से, ईरान के नेता समझौता करना नहीं जानते। वहां कट्टरपंथी शिया धर्मगुरुओं का प्रभाव है। मैं सभी शिया धर्मगुरुओं की बात नहीं कर रहा, बल्कि उन कट्टरपंथी धर्मगुरुओं की बात कर रहा हूं, जो धर्म के आधार पर फैसले लेते हैं। ऐसे लोगों के साथ समझौता करना बहुत मुश्किल है।"

हिंसक प्रदर्शन पर 21 लाख जुर्माना, 5 साल तक जेल, लूटपाट-आगजनी के बाद नए नियम लागू

इटली- नाबालिग ने तोड़फोड़ की तो माता-पिता भरपाई करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

इटली में हिंसक प्रदर्शन करने वालों को अब 5 साल तक जेल और करीब 21 लाख रुपए तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने मंगलवार को मिलान में दुकानों में लूटपाट और आगजनी के बाद सुरक्षा के नए नियमों को मंजूरी दी है। नए नियमों के तहत नाबालिगों के किए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता को करनी होगी। साथ ही, 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों पर केस चलाना आसान होगा।

उन्होंने कहा,17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन में कई युवा चीजें तोड़ने, चोरी करने और ऐसा करते हुए अपना वीडियो बनाने आए थे।

मेलोनी के मुताबिक, इस समस्या से गंभीरता से निपटना जरूरी है, ताकि हिंसा के वीडियो देखकर दूसरे युवा भी ऐसा करने के लिए प्रेरित न हों।

नए नियमों में 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को सामान्य तौर पर अपने काम के नतीजों को समझने में सक्षम माना जाएगा। अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि बच्चा अपने काम को समझने में सक्षम नहीं था, तो उसे इसके सबूत देने होंगे। अब तक यह फैसला जज करते थे कि कोई नाबालिग अपने काम के सही-गलत होने और उसके नतीजों को समझ सकता है या नहीं। नए नियमों से इस प्रक्रिया में बदलाव होगा। मेलोनी ने कहा कि सरकार हिरासत केंद्रों में और जगह बनाएगी। किशोर न्याय व्यवस्था में जजों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि नाबालिगों से जुड़े मामलों को संभालने में मदद मिल सके।

मिलान में 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात होंगे

सरकार ने मिलान में सुरक्षा बढ़ाने के लिए साल के आखिर तक 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि हिंसा में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का शामिल होना दुखद और डराने वाला है।

■ मिलान में 17 अक्टूबर को प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने गाड़ियों पर चढ़कर तोड़फोड़ की।

चेहरा ढकने या किसी को चोट पहुंचाने पर बढ़ेगी सजा

नए नियमों के तहत प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल होने को अलग अपराध बनाया गया है। अगर कोई आरोपी चेहरा ढककर हिंसा करता है या किसी को चोट पहुंचती है, तो उसकी सजा बढ़ाई जाएगी। प्रदर्शन के दौरान दुकानों या दूसरी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को उसकी भरपाई करनी होगी। सरकार के इस आदेश को स्थायी कानून बनाने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी है। संसद को 60 दिनों के भीतर इसे कानून में बदलना होगा।

यूक्रेनी सैनिक डेढ़ साल से बॉर्डर पर फंसा था, चारों तरफ बारूदी सुरंगें बिछी थीं

दुनिया में पहली बार ड्रोन से घायल सैनिक का रेस्क्यू

कीव, एजेंसी

दुनिया में पहली बार एक घायल सैनिक का ड्रोन से रेस्क्यू किया गया। कोस्त्यांतिन व्लासेंको नाम का यूक्रेनी सैनिक 491 दिनों से सीमा पर फंसा हुआ था।

चारों तरफ रूसी सैनिकों का खतरा था। जमीन पर बारूदी सुरंगें बिछी थीं और आसमान में मंडराते ड्रोन पर नजर पड़ते ही जान जाने का डर था। वह न तो आसानी से वहां से निकल सकता था और न ही कोई उसे बचाने पहुंच पा रहा था। ऐसे में उसे बचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

व्लासेंको को निकालने के लिए यूक्रेनी सेना ने पहले जमीन पर चलने वाले रोबोट का इस्तेमाल करने की कोशिश की। लेकिन रूसी सैनिकों ने उसे रास्ते में ही पहचान लिया और नष्ट कर दिया। पैदल सैनिकों के लिए भी उस इलाके तक पहुंचना बहुत जोखिम भरा था।

■ अस्पताल में इलाज के दौरान यूक्रेनी सैनिक व्लासेंको।

ऐसे में सेना के सामने दो ही रास्ते थे। या तो व्लासेंको को उसी खतरनाक जगह पर छोड़ दिया जाए, या फिर उन्हें निकालने का कोई नया तरीका खोजा जाए। इसके बाद 30वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड और 92वीं असॉल्ट ब्रिगेड के सैनिकों ने निकालने की योजना बनाई। इस अभियान की तैयारी में करीब छह महीने लगे। कई सैनिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने मिलकर ऐसा तरीका तैयार किया, जिससे एक घायल व्यक्ति को ड्रोन से हवा में उठाकर सुरक्षित जगह तक ले जाया जा सके।

पैर सड़ा तो खुद ही चाकू से काटकर अलग किया

इस बीमारी में शरीर का प्रभावित हिस्सा सड़ने लगता है। इलाज न मिलने और हालत बिगड़ने के कारण व्लासेंको ने अपना पैर खुद काटकर अलग कर दिया। घायल होने के बाद भी सैनिक को पूरी तरह अकेला नहीं छोड़ा गया था। यूक्रेनी सेना ड्रोन से उसके लिए खाना, पानी और दवाएं भेजती थी।

हर 4-5 दिन में सामान उसके ठिकाने के पास गिराया जाता था। सैनिक रेंगकर वहां पहुंचता और जरूरत का सामान उठाता था। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी इसी मदद के सहारे वह दुश्मन के बीच अपनी जान बचाए रहा।

रूसी हमले में दोस्त मारा गया, खुद घायल हुए

कोस्त्यांतिन व्लासेंको पूर्वी यूक्रेन के कुपियांस्क मोर्चे पर तैनात थे। वहां रूसी सेना के हमलों का खतरा लगातार बना रहता था। व्लासेंको और उनका एक साथी कंक्रीट के नाली के पाइप में बने ठिकाने पर रहते थे। दोनों साथ मिलकर मोर्चा संभाल रहे थे। इसी साल 14 फरवरी को रूसी सेना के ड्रोन हमले में व्लासेंको के साथी की मौत हो गई। विस्फोटक के छर्रों से व्लासेंको भी घायल हुए। उनके दोनों पैर बुरी तरह जख्मी हो गए। व्लासेंको को तुरंत इलाज की जरूरत थी, लेकिन उस जगह तक डॉक्टरों का पहुंचना बेहद मुश्किल था। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके दाहिने पैर में गैंगरीन फैल गया।

भारी ड्रोन से उन्हें

अमेरिका ने भारत को रिफाइनिंग सुपरपावर बताया

दुनिया की तेल आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत को 'रिफाइनिंग सुपरपावर' बताया। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल, डीजल और दूसरे ईंधन बनाने की क्षमता है।

न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए मार्को रुबियो ने कहा, मेरा मानना है कि जैसे-जैसे वेनेजुएला का ज्यादा तेल बाजार में आएगा, भारत उसे रिफाइन कर सकता है। इससे दुनिया में तेल आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। रुबियो ने वेनेजुएला में भारतीय कंपनियों की मौजूदा तेल परियोजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां वहां पहले से मौजूद तेल संपत्तियों से उत्पादन बढ़ा सकती हैं। रुबियो के मुताबिक, इस मुद्दे पर भारत के साथ पहले भी बातचीत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में काम करने के लिए तैयार और इच्छुक नजर आ रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस योजना को आगे बढ़ाने में अमेरिकी प्रतिबंधों और अन्य पाबंदियों से जुड़े मुद्दे सामने आ सकते हैं। इन पर अमेरिका और भारत को मिलकर काम करना होगा। मुंबई में 'फ्रीडम 250' कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और अमेरिका के बीच उन अहम मुद्दों पर असाधारण तालमेल है, जो दोनों देशों के राष्ट्रीय हितों को तय करते हैं।

■ विदेश मंत्री बोले- यहां वेनेजुएला का कच्चा तेल साफ होगा

सजा: केन्या में धर्मगुरु दोषी करार ■ जंगल से 400 से ज्यादा शव मिले

स्वर्ग का सपना दिखाकर 190 बच्चों को भूखा मारा

नैरोबी, एजेंसी

केन्या में धर्म के नाम पर बच्चों को भूखा रखकर मारने के मामले में धर्मगुरु पॉल मैकेंजी और उसके करीब 30 साथियों को दोषी ठहराया गया है।

रॉयटर्स को मुताबिक, मैकेंजी ने लोगों से कहा था कि दुनिया खत्म होने से पहले भूखे रहने पर वे स्वर्ग पहुंच जाएंगे। इस मामले में 190 बच्चों और एक वयस्क की मौत हुई। अब सजा 6 नवंबर को सुनाई जाएगी। मैकेंजी जिस शाकाहोला जंगल में रहता था, पुलिस को वहां सामूहिक कब्रों की जानकारी मिली। इसके बाद शव निकालने का काम शुरू हुआ। अब तक यहां 400 से ज्यादा शव मिल चुके हैं। सोमवार को अदालत ने 191 मौतों के मामले में फैसला सुनाया, जबकि बाकी मौतों की जांच अभी जारी है।

■ इस मामले में मारे गए बच्चों की कब्रों को सुनवाई के दौरान साथ रखा गया था।

इस मामले का पता मार्च 2023 में चलना शुरू हुआ। उस समय एक स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसके भाई और भाभी ने मैकेंजी के आदेश पर जंगल में अपने बच्चों को भूखा रखकर मार दिया था। इसके बाद मैकेंजी को गिरफ्तार किया गया लेकिन जमानत पर रिहा कर दिया गया। उसके रिश्तेदारों का कहना है कि रिहाई के बाद उसने दुनिया खत्म होने की जो तारीख बताई थी उसे और करीब कर दिया।

■ दोषी मैकेंजी सोमवार को केन्या के मोम्बासा हाई कोर्ट में अपने फैसले के लिए जाते हुए।

ईसाई धर्म के नाम पर अलग ग्रुप चला रहा था मैकेंजी

सरकारी वकीलों के मुताबिक, मैकेंजी गुड न्यूज इंटरनेशनल चर्च के जरिए ईसाई धर्म के नाम पर एक ऐसा ग्रुप चला रहा था, जो दुनिया के खत्म होने की बात करता था। रॉयटर्स के मुताबिक, उसने लोगों को भूखा रखकर मारने की योजना तीन चरणों में बनाई थी। इस मामले में मैकेंजी ने हत्या के आरोपों से इनकार किया। उसने कहा कि उसने किसी को भूखा रहने के लिए मजबूर नहीं किया। हालांकि, अदालत ने उसकी दलील नहीं मानी।

नीदरलैंड के पहले गे पीएम जल्द पिता बनेंगे

सोशल मीडिया पर लिखा- 2027 में आएगा नया मेहमान

एम्सटर्डम, एजेंसी

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन 2027 में पिता बनेंगे। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। जेटेन के पार्टनर निकोलस कीनन अर्जेंटीना के हॉकी खिलाड़ी हैं।

जेटेन और उनके पार्टनर कीनन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा,हमारी जिंदगी में एक बहुत खास मेहमान आने वाला है। नन्हे बच्चे, 2027 में तुमसे मुलाकात होगी। डच मीडिया के मुताबिक बच्चे के जन्म के लिए सरोगेसी की मदद ली गई है। उनकी दो महिला दोस्तों ने इस प्रक्रिया में मदद की। एक ने अंडाणु दान किया, जबकि दूसरी बच्चे को जन्म देंगी।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जेटेन ऐसे पहले डच प्रधानमंत्री होंगे, जिनके कार्यकाल में उनके बच्चे का जन्म होगा।

साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच नेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे।

वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। साल 2022 में कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटेन को देखा और उन्हें वायरल वीडियो की वजह से पहचान गए। इस दौरान दोनों की बातचीत शुरू हुई।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96